दैनिक पंचांग

सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शनिवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

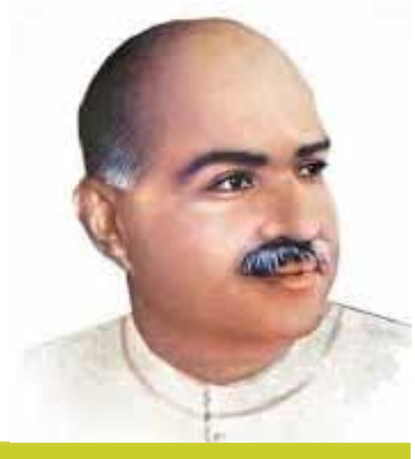

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 175 • पृष्ठ 8 • दुमका, शनिवार 24 जून 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

विपक्षी दलों की बैठक खत्म, बैठक में कॉमन मिनिमम प्रोग्राम की भी चर्चा

नीतीश कुमार बन सकते हैं राष्ट्रीय संयोजक

पटना/एजेंसी।

बिहार की राजधानी पटना में आज विपक्षी नेताओं की महाबैठक हुई. इस बैठक को लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बेहद अहम माना जा रहा है. इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, जेडीयू नेता नीतीश कुमार, आरजेडी नेता तेजस्वी यादव, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, अअढ संयोजक अरविंद केजरीवाल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, ठउढ प्रमुख शरद पवार, शिवसेना (वइळ) के प्रमुख उद्धव ठाकरे, ढउढ प्रमुख महबूबा मुफ्ती, ठउ नेता फारुख अब्दुला, उढक सचिव डी. राजा, उढट सचिव सीताराम येचुरी और उढक्टछ के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य सहित कई बड़े राजनीतिक दिग्गज शामिल हुए. विपक्ष की इस बड़ी बैठक में लोकसभा चुनाव 2024 के रोडमैप पर विस्तार से बातचीत हुई. उद्घाटन भाषण नीतीश कुमार ने दिया और इसके बाद क्रमशः मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, अरविंद केजरीवाल, शरद पवार समेत सभी नेताओं ने अपनी-अपनी बातें रखीं. सूत्र बताते हैं कि इसमें इस बात की भी चर्चा हुई कि सभी दलों को एक साथ लेकर चलने की जिम्मेवारी नीतीश कुमार को दी जाए. बताया जा रहा है कि नीतीश को राष्ट्रीय संयोजक बनाया जा सकता है. दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने में अपनी अहम भूमिका निभाई है, इसलिए इस बात की चर्चा गर्म है. बता दें कि बैठक में 15 दलों के 27 नेता शामिल हुए. इन नेताओं में नीतीश कुमार, राहुल गांधी, ममता बनर्जी, एमके स्टालिन, मल्लिकार्जुन खड़गे, भगवंत मान, अरविंद केजरीवाल, हेमंत सोरेन, उद्धव ठाकरे, शरद पवार, लालू प्रसाद यादव अखिलेश यादव, केसी वेणुगोपाल, सुप्रिया सुले, मनोज झा, फिरहाद हकीम, प्रफुल्ल पटेल, राघव चड्ढा और संजय सिंह, संजय राऊत, राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, संजय झा, सीताराम येचुरी, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती टीआर बालू , दीपंकर भट्टाचार्य, तेजस्वी यादव, अभिषेक बनर्जी, डेरेक ओ'ब्रायन, आदित्य ठाकरे और डी राजा शामिल थे.

बता दें कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल पर धुर विरोधी भी बीजेपी से लड़ने के लिए एक साथ आने को तैयार हुए हैं. हालांकि, यह भी जानकारी आई है कि बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली अध्यादेश पर सबका साथ मांगा. लेकिन, उनकी इस मांग पर अन्य राजनीतिक दलों का क्या रुख रहा यह सामने आना बाकी है.

बता दें कि उद्धव ठाकरे समेत कई अन्य नेताओं कांग्रेस से दिल्ली अध्यादेश पर समर्थन देने की अपील की थी. वहीं, उमर अब्दुल्ला ने केजरीवाल को असहज किया और धारा 370 पर उनका स्टैंड साफ नहीं रहने की याद दिलाई. इस बैठक में कामन मिनिमम प्रोग्राम बनाने की चर्चा हुई है और बताया जा रहा है कि मोटे तौर पर सभी दल बीजेपी को 2024 रोकने के लिए सहमत हैं.

मिलकर रहेंगे तभी हम भाजपा को हरा पाएंगे: ममता

पटना/एजेंसी।

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पटना में विपक्षी दलों की बैठक के दौरान उनके राज्य में कांग्रेस के रवैये पर नाराजगी जताई है। सूत्रों के अनुसार ममता ने बैठक में कहा कि कांग्रेस की ओर से बंगाल में जारी धरना-प्रदर्शन भी गलत है। बंगाल सीएम ने इस पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में ही आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि बंगाल में कांग्रेस का रवैया ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि हमें आपस में लड़ने से बचना चाहिए। हम आपस में लड़ेंगे तो बीजेपी को फायदा होगा। ममता बनर्जी ने कहा कि हमें आपसी मतभेद भुलाकर भाजपा को हराने की रणनीति बनानी चाहिए। इसमें सभी दलों की बात सुनी जानी चाहिए।

सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने पटना में विपक्षी दलों की बैठक में राहुल गाधी, मल्लिकार्जुन खरगे, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव, महबुबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्ला और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं की मौजूदगी में कहा कि हमें मिलकर रहना चाहिए तभी हम भाजपा को हरा पाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

इसरो अध्यक्ष सोमनाथ ने कहा- अगले साल होगा मानव रहित मिशन, अगस्त में लॉन्च होगा गगनयान

नई दिल्ली/एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान अगस्त के अंत में लॉन्च किया जाएगा, जबकि मानव रहित मिशन अगले साल लॉन्च होगा। भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) में एक कार्यक्रम के मौके पर सोमनाथ ने कहा,गगनयान मिशन के लिए हमने एक नया रॉकेट बनाया है जो श्रीहरिकोटा में तैयार है। क्रू मॉड्यूल और क्रू एस्केप सिस्टम को जोड़ने का काम शुरू हो गया है। मुझे बताया गया है कि इस महीने के अंत तक यह काम पूरा हो जाएगा और सभी परीक्षण कर लिए जाएंगे। परियोजना के हिस्से के रूप में 'कक्षा में मानव रहित मिशन' अगले साल की शुरुआत में होगा। 2024 की शुरुआत में,हमारे पास कक्षा में मानवरहित मिशन होगा और वहां से इसे सुरक्षित वापस लाना है,जो तीसरा मिशन होगा। वर्तमान में हमने इन तीन मिशनों को निर्धारित किया है। सोमनाथ ने पीआरएल में हाई परफार्मेंस कंप्यूटिंग (एचपीसी) वाले सुपर कंप्यूटर परम विक्रम–1000 का शुभारंभ किया।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स

63,384.58+466.95 (0.74%)

निफ्टी

18,826.00+137.90 (0.74%)

जम्मू कश्मीर में 42 हजार हत्याओं के लिए अब्दुल्ला-मुफ्ती-गांधी जिम्मेदार: अमित शाह

जम्मू/एजेंसी।

अब्दुल्ला, मुफ्ती और गांधी परिवार पर निशाना साधते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को इन तीन परिवारों को 1947 से 2014 तक जम्मू-कश्मीर में 42,000 लोगों की हत्या का जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा कि श्रीनगर में जी-20 सफल आयोजन हुआ। शानदार सफलता, और सभी प्रतिभागी शांति संदेश के साथ अपने-अपने देश को लौट गए हैं।

जम्मू के भगवती नगर में रैली को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वे दिन गए जब तीन परिवार शासन करते थे और जम्मू-कश्मीर को बर्बाद कर देते थे। 1947 से 2014 तक, जम्मू-कश्मीर में 42,000 लोग मारे गए। इस काल में किसका शासन था? तीन परिवार-गांधी, अब्दुल्ला और मुफ्ती का।'

अमित शाह ने कहा कि डॉ. मुखर्जी को 1953 में बिना परमिट के जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने पर अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा, 'किसी को अपने ही देश में प्रवेश करने के लिए परमिट की आवश्यकता क्यों होनी चाहिए? उन्हें जेल में डाल दिया गया और बाद में उनकी हत्या कर दी गई।' शाह ने कहा, 'आज मुखर्जी की आत्मा को शांति मिलेगी क्योंकि एक विधान, एक निशान और एक प्रधान का उनका सपना पूरा हो गया है।'

गृह मंत्री ने कहा कि डॉ मुखर्जी भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 को शामिल करने का विरोध करने वाले पहले व्यक्ति थे। शाह ने कहा, 'पांच अगस्त 2019 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ा कदम उठाया और डॉ. मुखर्जी के दृष्टिकोण को पूरा करते हुए अनुच्छेद 370 को हमेशा के लिए हटा दिया।'

उन्होंने कहा कि भारत पीएम मोदी के शासन के नौ साल का जश्न मना रहा है। ''मोदी का शासन एक खुली किताब है। यह यूपीए की तरह नहीं है जिसमें 12 लाख करोड़ रुपये का घोटाला हुआ था। शाह ने कहा, उनके नौ साल के शासन के दौरान मोदी के खिलाफ भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं है।

पीएम नरेंद्र मोदी एक बार फिर बने दुनियाभर के सबसे लोकप्रिय नेता

नई दिल्ली/एजेंसी।

दुनियाभर के नेताओं के बीच लोकप्रियता के मामले में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भी अव्वल हैं. अमेरिकी फ़र्म मॉर्निंग कन्सल्ट द्वारा 22 मुल्कों में करवाए गए सर्वे के अनुसार, दुनियाभर के चर्चित नेताओं के बीच ढट नरेंद्र मोदी 76 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग के साथ शीर्ष पर हैं, और उन्हें सर्वे में शामिल सिर्फ़ 19 प्रतिशत लोगों ने ही नकारा है, और यह आंकड़ा भी सर्वे में सभी नेताओं में सबसे कम है. मॉर्निंग कन्सल्ट द्वारा जारी ग्लोबल लीडर अप्रूवल रेटिंग के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और यूनाइटेड किंगडम, यानी यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी अपने-अपने देश में पीएम नरेंद्र मोदी की तुलना में बेहद पीछे हैं. दरअसल, मॉर्निंग कन्सल्ट ने दुनियाभर के 22 मुल्कों में एक सप्ताह तक (7 से 13 जून) आंकड़े जुटाकर उनका औसत जारी किया है.

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

अभाविप ने किया कुलपति का घेराव कहा 48 घंटे में बीएड फीस वापस नहीं तो होगा उग्र आंदोलन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका द्वारा सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय में बीएड के बीच में हुए बेतहाशा वृद्धि के साथ ही विश्वविद्यालय में प्राप्त शैक्षणिक समस्याओं के विरोध में विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति का घेराव किया गया। ज्ञात हो कि बीएड की पूर्व में फीस जो कि रू 88000 थी वर्तमान में जिन्हे कुलपति का प्रभार दिया गया है ।उन्होंने इस फीस को बढ़ा करके डेढ़ 150000 कर दिया संथाल के क्षेत्र में अधिकतम विद्यार्थियों की सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं ।ऐसे विद्यार्थियों के लिए यह फीस देना संभव नहीं हो पाएगा ।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कुलपति से मिलकर ज्ञापन सौंपा था। जिसमें 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया गया था 24 घंटा बीत जाने के बाद कुलपति महोदय के द्वारा कोई प्रतिक्रिया नहीं देने के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कुलपति का घेराव किया ।घेराव करके विश्वविद्यालय में बीएड के बढ़े हुए शुल्क को वापस लेने की मांग को रखा। वहीं प्रांत जनजातीय कार्य प्रमुख मनोज सोरेन ने कहा कि बिना सिंडिकेट की बैठक किए बीएड की फीस कैसे बढ़ाए , सेवानिवृत्त हो चुके लोगों को विश्वविद्यालय में क्यों रखा है , 90% सीट संथाल परगना के विद्यार्थियों के लिए ब्लॉक कर दिया जाए , जो शुल्क पहले से निर्धारित था उसके आधार पर ही नामांकन सुनिश्चित हो साथ ही जिला संयोजक जयंत कुमार ने कहा कि अधिकतर यूनिवर्सिटी में ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी पढ़ाई करते हैं ।अभी अचानक बीएड की फीस बढ़ाना कहां से उचित है। इस क्षेत्र के विद्यार्थी इतना बड़ा रकम कैसे भरें जो फीस पहले से निर्धारित था उसी फीस के आधार पर बीएड की नामांकन सुनिश्चित हो अन्यथा अभाविप उग्र आंदोलन करेगी। विद्यार्थियों के किसी भी प्रकार की समस्या होगी ।उस समस्या का समाधान करने के लिए विद्यार्थी परिषद सदैव आगे रहेगी प्रदेश सह मंत्री सौरभ कुमार झा ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय 48 घंटा के अंदर इस पर विचार नहीं करती है तो विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले सभी सभी महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय का घेराव किया जाएगा। और उग्र आंदोलन किया जाएगा बढ़ा हुआ बीएड का फीस हर हाल में विश्वविद्यालय को वापस लेना होगा। साथ ही कुलपति महोदय ने 48 घंटे का आश्वासन दिया है कि 48 घंटे में वापस लेने का प्रयास करेंगे ।अगर 48 घंटे में बीएडफीस वापस नहीं होता है ।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगी । मौके पर उपस्थित विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, प्रांत सह मंत्री सौरभ झा , प्रांत जनजातीय कार्य प्रमुख मनोज सोरेन,विभाग छात्रा प्रमुख कशिश गुप्ता, जिला संयोजक जयंत कुमार, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य लखीराम मंडल, नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता सूरज पाल, नगर सह मंत्री प्रकाश दास , । आदित्य एलेक्स , सुमन कुमारी , सुमंत कुमार, सुभम गुप्ता, खुशबू तिवारी रंजन झा , खुशी तिवारी, बरसु कुमारी, प्रिया कुमारी, रवीना टंडन, सुमित कुमार, उपेन्द्र दास , गायत्री कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, मनी कुमारी आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

मोदी सरकार का ध्येय गरीबों एवं वंचितों का कल्याण करना है : सांसद

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। जामा प्रखंड स्थित प्रोजेक्ट हाई स्कूल बारा पलासी परिसर में शुक्रवार को जामा विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन का आयोजन जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन की अध्यक्षता में किया गया।सम्मेलन में मुख्य रूप भाजपा सांसद सुनील सोरेन,प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा, जिलाध्यक्ष पारितोष सोरेन सहित जिला एवं प्रखंड स्तरीय कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष सहित सभी वरिष्ठ नेताओं ने उपस्थित लाभार्थियों एवं ग्रामीणों को भाजपा सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियां गिनाई।केंद्र सरकार द्वारा चलाये जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला गया और लाभार्थियों से सीधा संवाद स्थापित किया गया। इस दौरान सभा को सम्बोधित करते हुए सांसद सुनील सोरेन ने कहा कि मोदी सरकार का एक मात्र ध्येय गरीबों एवं वंचितों का कल्याण करना है। गरीबों और वंचितों को केंद्र में रख कर बनाई गई मोदी सरकार की नीतियों के जरिए देश विकास की और मजबूती से अग्रसर है। आज मोदी सरकार ने दशकों से हाशिए पर जी रहे लोगों के जीवन में विकास का रंग भर दिया है । कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना,आयुष्मान कार्ड,निःशुल्क करोना टीकाकरण,राशन वितरण, उज्जवला योजना,पीएम मुद्रा ऋण आदि कल्याणकारी योजनाओं के जरिए लोगों की मूलभूत सुविधाओं व आवशयकताओं को पूरा किया जा रहा हैं।

मौके पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा,धर्मेन्द्र सिंह बिट्टू, विवेकानंद राय,अमरेन्द्र सिंह मुन्ना, विमल मरांडी,रूपेश कुमार मंडल, इंद्रकांत यादव, मुखिया राजू पुजहर, दिलीप सेन,राखिशल हांसदा, नवलकिशोर मांझी,निरंजन मंडल, राजू प्रसाद दर्वे,सिंकदर यादव मुन्ना, राजेन्द्र मुर्मू,नागो देवी, सनत हांसदा, कालेश्वर मुर्मू,जयकांत मंडल, अरूण मंडल,मनोज हांसदा,हराधन मरीक, रामयश कुमार, देवेन्द्र मरीक, भदेश्वर मरीक, शंभू पंडित,प्रदीप कुमार दर्वे, फुटो देवी आदि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर मैट्रिक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर जिला कुश्ती संघ दुमका एवं हॉकी दुमका के संयुक्त तत्वाधान में द्वितीय सत्र में संध्या 4 बजे खुंटा बांध टापू ,दुमका में दुमका जिला कुश्ती संघ के द्वारा संचालित कुश्ती अखाड़े में जिला कुश्ती संघ के द्वारा मैत्री कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मैत्री कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार, शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेम्ब्रम, जिला कुश्ती संघ के वरीय उपाध्यक्ष गौतम कुमार, सचिव संदीप कुमार जय बमबम, संयुक्त सचिव राजेश कुमार राउत के कर कमलों द्वारा बजरंग बली का पूजन कर नारियल फोड़ते हुए किया गया। मैत्री कुश्ती प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागियों को अतिथि द्वय पुलिस उपाधीक्षक विजय कुमार और शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेम्ब्रम द्वारा मेडल और सम्मान राशि देकर पुरस्कृत किया गया। आयोजन को सफल बनाने में फरीद खान, अफरीद अहमद, रंजीत कुमार मिश्रा, विनीत कुमार सिंह, प्रिसराज, जीशान मुशर्रफ, पीपुल कुमार मांझी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

माल्यार्पण कर पूर्व मंत्री ने श्रद्धांजलि दी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि। दुमका। 23 जून को डॉ शयामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर महिला मोर्चा अध्यक्ष नीतू झा के आवासीय कार्यलय में उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर पूर्व मंत्री डॉ लुईस मरांडी ने उन्हे श्रद्धांजलि दी। मौके पर अनेकों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

ओलंपिक एवं विश्व हैंडबॉल दिवस केक काटकर मनाया

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। ओलंपिक दिवस एवं विश्व हैंडबॉल दिवस एस.पी कॉलेज मैदान में केक काटकर मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संथाल परगना महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ खिरोधर यादव उपस्थित हुए, साथ में एसपी कॉलेज के पीटीआई सुनील बेसरा ,जूलॉजी विभाग के एच.ओ.डी एनि बेसरा, जिला ओलंपिक संघ के कोषाध्यक्ष मुकेश कुमार ,कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखंड के कोषाध्यक्ष हैदर हुसैन , स्लिग शॉट एसोसिएशन के सचिव सचिव संतोष कुमार गोस्वामी, खेल के प्रति जागरूक रखने वाले समाजसेवी गोपाल मंडल, कोषाध्यक्ष- मधुर कुमार सिंह, एवं सभी खिलाड़ी उपस्थित हुए। जिला हैंडबॉल संघ के सचिव अमित कुमार पाठक ने हैंडबॉल दिवस को हर्षोल्लास के साथ सभी खिलाड़ीयों को केक खिलाकर हैंडबॉल दिवस एवं ओलंपिक दिवस मनाया ।

मानव तस्करी का शिकार होने से बची चार नाबालिग बच्चियां

शिकारीपाड़ा रेलवे स्टेशन से मानव तस्करी के आरोपित पति पत्नी गिरफ्तार

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। शिकारीपाड़ा पुलिस की सक्रियता से आज शुक्रवार को थाना क्षेत्र के 2 गांवों की चार नाबालिग बच्चियां मानव तस्करी का शिकार होने से बच गई.शिकारीपाड़ा पुलिस ने इस कार्य में संलिप्त तस्करों एक महिला एवं पुरुष को गिरफ्तार कर लिया है।

मामले में जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नूर मुस्तफा ने बताया कि शुक्रवार को पुलिस को सूचना मिली कि कुछ लड़कियों को बहला-फुसलाकर दिल्ली काम कराने के लिए ले जाया जा रहा है.जिसका सत्यापन उपरांत शिकारीपाड़ा रेलवे स्टेशन से एक महिला एवं उसके पति के साथ चार नाबालिग बच्चियों को रेस्क्यू किया गया। दोनों महिला पुरुष से कड़ाई से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि चारों बच्चियों को हम लोग बहला-फुसलाकर पैसे का लालच देकर काम कराने के लिए दिल्ली ले जा रहे थे। लड़की के पिता के बयान पर लड़कियों को ले जाने वाले किरण देवी उर्फ पुतुल पति निर्दोष कुमार ग्राम मनोरा थाना मनोरा जिला हाथरस उत्तर प्रदेश एवं निर्दोष कुमार ग्राम मनोरा थाना मनोरा जिला हाथरस उत्तर प्रदेश को गिरफ्तार कर लिया गया है इस पूरे अभियान में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी नूर मुस्तफा के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी उमेश राम, पुलिस अवर निरीक्षक बिल्कन बागे,महिला पुलिस अवर निरीक्षक दीप शिखा महतो,पुलिस अवर निरीक्षक पंकज कुमार,सहायक अवर निरीक्षक रवि नारायण शर्मा, सहायक अवर निरीक्षक मनोज कुमार सिंह के साथ पुलिस बल शामिल थे। इस संबंध में लड़की के पिता के बयान पर शिकारीपाड़ा थाना कांड संख्या 61/2023 दिनांक 23/जून 2023 भादवि की धारा 363/ 370/ 34 दर्ज किया गया है। चारो लड़कियों को सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत कर दिया गया है।

मसानजोर डैम में मछली मारने गए 3 लोगों की मौत, बेटी का शव बरामद, पिता और पुत्र के शव की तलाश जारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखंड की उपराजधानी दुमका में एक ही झटके में परिवार के तीन सदस्य मौत की लपेट में आ गए. दुमका के मसानजोर डैम में 3 लोगों के डूबने की खबर है. इस घटना के बारे में मिली जानकारी के अनुसार मसानजोर डैम से सटे झाझापाड़ा के रहने वाले रंजीत पुजहर अपने 4 वर्ष के पुत्र अरुण पुजहर और 6 वर्षीया पुत्री सिंपी पुजहर के साथ डैम में मछली मारने गया था. मछली पकड़ने के लिए जाल फेंका. जाल झाड़ी में फंस गया. झाड़ी में फंसे जाल को छुड़ाने के लिए तीनों नाव से उतर गए. इसी दौरान डूबने से तीनों की मौत हो गयी. सूचना मिलते ही मसानजोर थाना प्रभारी सुगना मुंडा दल बल के साथ स्थल पर पहुँचे. स्थानीय गोताखोर और जाल की मदद से बेटी का शव निकाला गया जबकि पिता और पुत्र के शव की तलाश जारी है.

विधानसभा स्तरीय बैठक आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। भाजपा के महा जनसंपर्क अभियान के तहत आयोजित संयुक्त मोर्चा की जामा विधानसभा स्तरीय बैठक शुक्रवार को तरबंधा स्थित सांसद आवास में जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा सांसद सुनील सोरेन,भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद शर्मा जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन मौजूद रहे रहे। बैठक में किसान मोर्चा, युवा मोर्चा,महिला मोर्चा,अल्पसंख्यक मोर्चा,अनुसूचित मोर्चा,पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पदाधिकारी एवं प्रभारी मौजूद रहे। इस मौके पर सांसद सुनील सोरेन ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 9 वर्षों के कार्यकाल में मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्रों में विकास हुआ है।सरकार की योजनाएं हर वर्ग के लिए है। समाज का ऐसा कोई वर्ग नहीं है जो गरीब कल्याण की योजनाओं से लाभान्वित न हुआ हो। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं के मेहनत से पार्टी आज विशाल वट वृक्ष के रूप में खड़ी है।देश का नेतृत्व करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इन नौ वर्षों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं,आज देश विदेश में मोदी का डंका बज रहा है। केंद्रीय नेतृत्व से पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं का मनोबल ऊंचा हुआ हैं।कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देशय केन्द्र सरकार के द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना है।भाजपा कार्यकर्ता विशेष जनसंपर्क अभियान के माध्यम से मोदी सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों को बताने घर-घर दस्तक देंगे। बैठक को जामा मंडल अध्यक्ष राजू प्रसाद दर्वे के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ समाप्ति की घोषणा की। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह बिट्टू, जिला महामंत्री विवेकानंद राय,सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र सिंह मुन्ना,एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष विमल मरांडी,युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष इंद्रकांत यादव,भाजपा नेता सह मुखिया राजू पुजहर, मंडल अध्यक्ष नवलकिशोर मांझी, निरंजन मंडल, राजू प्रसाद दर्वे, सिंकदर यादव मुन्ना, एससी मोर्चा के गौतम रजक, राजेन्द्र मुर्मू, नागो देवी, सनत हांसदा, कालेश्वर मुर्मू, जयकांत मंडल,अरूण मंडल,मनोज हांसदा, हराधन मरीक, रामयश कुमार, देवेन्द्र मरीक,भदेश्वर मरीक,शंभू पंडित,प्रदीप कुमार दर्वे, कुमोद,देवचंद,जर्नादन खिरहर आदि मौजूद थे।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने अमड़ापाड़ा प्रखंड के डुमरचीर पंचायत पहुँच परिसंपत्तियों का वितरण के समेत ग्रामीणों से किया संवाद

संथाल में आदिवासी और पहाड़िया जनजाति को मुख्यधारा से जोड़ने में और गंभीरता लाने की जरूरत: राज्यपाल

कहा- झारखंड सरकार को विकास का काम ग्रास रूट पर उतारने में दिखाएं गंभीरता

- **कुमारभाग पहाड़िया को एसटी का दर्जा दिलाने का करेंगे प्रयास**

विनोद कुमार दास।

पाकुड़। शुक्रवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन का पाकुड़ जिला के अमड़ापाड़ा प्रखंड के डुमरचीर पंचायत में आगमन हुआ। वह अमड़ापाड़ा प्रखंड पहुंचे जहाँ जेएसएलपीएस की दीदियों द्वारा पारंपरिक गीत के साथ माननीय राज्यपाल महोदय का स्वागत किया गया। माननीय राज्यपाल द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मंच से संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर ने माननीय राज्यपाल महोदय के पाकुड़ जिला आगमन को लेकर आभार जताया। इस दौरान डीडीसी ने माननीय राज्यपाल महोदय को पाकुड़ जिला के क्षेत्रफल एवं भौगोलिक स्थिति की जानकारी से अवगत कराया, साथ हीं जिले में संचालित विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की भी जानकारी दिया। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को पाकुड़ जिला के अमड़ापाड़ा प्रखंड के डुमरचीर में ग्रामीणों से संवाद करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की योजना हो या राज्य सरकार की योजना हो, उनका लक्ष्य है समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक के जीवन स्तर को ऊपर उठाना। उन्होंने कहा कि केंद सरकार नल-जल योजना के तहत प्रत्येक परिवार को शुद्ध पेयजल सुलभ कराने हेतु प्रतिबद्ध है। अभी तक 37 प्रतिशत परिवारों को इस योजना से आच्छादित किया जा चुका है, शेष बचे 67 प्रतिशत परिवार को आच्छादित किया जाएगा। सरकार द्वारा शुद्ध पेयजल सुलभ कराने के साथ-साथ आवास, बिजली, स्वास्थ्य एवं शिक्षा की समुचित व्यवस्था के लिए भी निरंतर कार्य किया जा रहा है। माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि उनके द्वारा कई कस्तूरबा गांधी विद्यालय एवं अन्य विद्यालयों का भ्रमण किया गया है और उन्होंने वहां स्मार्ट क्लास, सीटीलैब, लाइब्रेरी, ओपेन जिम इत्यादि को देखा है। वहाँ की छात्राओं से संवाद किया है। संवाद करने से उन्हें खुशी मिली की छात्राएं पढ़ाई पर ध्यान दे रही हैं। अपना लक्ष्य भी निर्धारित कर रही हैं। कार्यक्रम में उपस्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की छात्रा रेखा टुडू ने बताया कि वो डॉक्टर बनना चाहती है एवं उनके विद्यालय में आईसीटी लैब एवं स्मार्ट क्लास की सुविधा उपलब्ध है। माननीय राज्यपाल महोदय ने छात्रा को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जो भी बच्चे उच्च शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं, उनके लिए सरकार द्वारा विशेष कोचिंग के माध्यम से भी शिक्षा की भी व्यवस्था की गई है। यदि ये बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं तो इनके लिए भाषा की समस्या नहीं होगी और ये बेहतर तरीके से अपने समाज और समुदाय के लोगों की सेवा कर सकेंगे। वहां उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग अपने बच्चों को निश्चित रूप से शिक्षा दें। आप अपने जमीन-जायदाद एवं विभिन्न स्त्रोतों से आय का उपयोग बच्चों को शिक्षित बनाने में करें। वें शिक्षित होंगे तभी वे प्रतिस्पर्धा के इस युग में सफलता अर्जित कर सकेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित जिला परिषद की सदस्य प्रियंका मालतो ने कहा कि कुमार भाग पहाड़िया के पीभीटीजी में शामिल नहीं होने के कारण बहुत सारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है, उन्होंने राज्यपाल से कुमार भाग पहाड़िया को पीवीटीजी में शामिल करने हेतु अनुरोध किया। राज्यपाल महोदय ने कहा कि यह कार्य एक प्रक्रिया के तहत होती है, जिसमें जिला प्रशासन द्वारा सरकार से स्थापित मानदंडों के आधार पर राज्य सरकार को अनुशंसा की जाती है एवं राज्य सरकार द्वारा केंद्र सरकार को भेजा जाता है। कार्यक्रम में श्रीमती शांति मालतो ने बताया कि किस प्रकार उनके परिवार का जीवनयापन स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अच्छी तरह हो रहा है। ललिता देवी ने बताया कि वह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अमड़ापाड़ा शाखा में बैंक सखी है और स्वयं सहायता समूह को बैंक खाता खुलवाना एवं ऋण मुहैया करवाना एवं बीमा करवाने का कार्य करती है। इस कार्य से उनका जीवनस्तर बढ़ा है और वह खुश है। माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि जनजातियों एवं पीवीटीजी के लिए एकलव्य विद्यालय खोले गए हैं। सरकार द्वारा स्कूल ऑफ एक्सीलेंस भी खोले गए हैं, आप अपने बच्चों को निश्चित रूप से शिक्षित करें, उन्हें ड्रॉप आउट नहीं होने दें। राज्यपाल महोदय ने यहां के लोगों के शैक्षणिक, आर्थिक एवं सामाजिक समृद्धि की कामना की। उन्होंने परिसंपत्तियों का वितरण किया एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्यों का अवलोकन किया।

● महिलाएं एसएचजी से जुड़ें, बच्चों को शिक्षित बनाएं

राज्यपाल सी.पी राधाकृष्णन ने कहा कि जो भी माताएं बहने हैं वे आय का एक साधन अवशच्य अपनायें। इसके लिए अपने क्षेत्र की महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़ें और आय में वृद्धि करें। शिक्षा के बगैर कोई भी भविष्य नहीं है, इसलिए जो भी अभिभावक हैं वे अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा अवशच्य प्रदान करें। बच्चों की शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं। माननीय राज्यपाल ने कहा कि पाकुड़ जिला में बेहतर कार्य हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र में महिलाएं महिला स्वयं सहायता समूह से जुड़कर बेहतर कर रही है और आय का सृजन कर रही हैं। जब गांव विकास होंगे तो निश्चित रूप से हम सभी का विकास होगा। हम सभी के पंथ व समुदाय है बेशक अलग है लेंकिन आपसी संघर्ष से बेहतर है कि सभी मिलजुल कर कार्य करें और गांव में खुशहाली लाएं। माननीय राज्यपाल के द्वारा कार्यक्रम के बाद डुमरचीर पंचायत में पौधारोपण किया गया।

● विभिन्न विभागों द्वारा लगाया गया स्टॉल

कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉलों लगाया गया। इसमें डीआरडीए, जेएसएलपीएस, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, कृषि, सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य, श्रम, कल्याण, बैंक, बिजली, पर्यटन, शिक्षा के स्टॉल प्रमुख थे।

● राज्यपाल ने परिसंपत्तियों का किया गया वितरण

राज्यपाल के ग्रामीण जन संवाद कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से लाभान्वित हुए ग्रामीण. कृषि विभाग के द्वारा धान बीज वितरण, केसीसी स्वीकृति पत्र वितरण, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत 2 लाभुक लाभान्वित हुए, उद्योग विभाग के द्वारा फॉर्मलाजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग इंटरप्राइजेज योजना अंतर्गत नमकीन उत्पादन हेतु 1 लाभुक को ऋण वितरण किये, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम अंतर्गत जेरोक्स दुकान हेतु ऋण के लिए एक आदमी को दिया गया, समाज कल्याण विभाग के द्वारा 4 लाभुक लाभान्वित हुए, एक सेविका और एक सहायिका को नियुक्ति प्रमाण पत्र एवं सावित्री फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत 2 लाभुक के लाभान्वित हुए, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के अंतर्गत 2 लाभुक, दिव्यांग यंत्र 2 लाभुकों के बीच वितरण किया गया, जेएसएलपीएस के 250 सखी मंडल के दीदियों को बैंक क्रेडिट लिंकेज स्वीकृति पत्र दिया जाएगा एवं जुट रेटिंग पोंड का स्वीकृति पत्र दिया गया, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर आवास योजना का स्वीकृति पत्र 2 लाभुक के बीच वितरण किया गया, बिरसा हरित ग्राम योजना के अंतर्गत स्वीकृति पत्र 2 लाभुक को दिया गया, बिरसा सिंचाई कूप योजना अंतर्गत स्वीकृति पत्र दिया गया, मुख्यमंत्री आदिम जनजाति पेंशन योजना अंतर्गत स्वीकृति पत्र दिया गया, मुख्यमंत्री राज्य निराश्रित महिला सम्मान पेंशन योजना अंतर्गत स्वीकृति पत्र दो महिला लाभुक के बीच वितरण किया गया, स्वामी विवेकानंद निशक्त स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना अंतर्गत स्वीकृत पत्र के बीच वितरण किया गया, प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति दो छात्रों के बीच वितरण की गई, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना अंतर्गत दो लाभुक, प्रधानी पट्टा वितरण, कृषि यंत्र वितरण एवं मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अंतर्गत दो लाभुकों के बीच वितरण किया गया।

● विभिन्न स्टॉल का किया गया निरीक्षण

राज्यपाल के द्वारा डुमरचीर पंचायत में कार्यक्रम स्थल पर लगाये गये विभिन्न विभागों के स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। इसमें डीआरडीए, जेएसएलपीएस, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, कृषि, सहकारिता, पशुपालन, मत्स्य, श्रम, कल्याण, बैंक, बिजली, पर्यटन, शिक्षा के स्टॉल प्रमुख थे।

मौके पर पुलिस अधीक्षक एच. पी. जनार्दनन, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, उप विकास आयुक्त मो शाहिद अख्तर, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल, अपर समाहर्ता मंजू रानी स्वांसी, अनुमंडल पदाधिकारी हरिवंश पंडित, डीआरडीए निदेशक संजय कुमार दास, स्थापना उप समाहर्ता विकास कुमार त्रिवेदी, एसडीपीओ नवनीत हेम्ब्रम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, अमड़ापाड़ा बीडीओ कुमार देवेश द्विवेदी, पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी गोपाल कृष्ण यादव, महेशपुर थाना प्रभारी संतोष कुमार, लिट्टीपाड़ा थाना प्रभारी अरुणिमा बागे, महेशपुर बीडीओ उमेश मंडल सहित सभी विभाग के पदाधिकारी/प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी सहित प्रखंड के दर्जनों गांव के सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो। शहर के मुस्कान पैलेस होटल में भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा वित्तीय साक्षरता पर जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आज के इस कार्यक्रम के मौके पर भारतीय रिजर्व बैंक रांची के प्रबंधक रौशन गिरिया, जिला अग्रणी प्रबंधक मनोज कुमार, भारतीय स्टेट बैंक आरसेटी के वरिष्ठ संकाय अमित कुमार वर्धन और झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के वित्तीय सलाहकार नवीन ठाकुर मुख्य रूप से मौजुद रहे। रौशन गिरिया ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ग्रामीण स्तर पर विभिन्न जागरुकता शिविर का अयोजन कर ग्रामीणों को जागरूक करते हैं। जिला अग्रणी प्रबंधक मनोज कुमार ने बताया कि जिला स्तरीय वित्तीय साक्षरता क्विज प्रतियोगिता के पूर्व प्रखांड स्तरीय प्रतियोगिता हुई थीं। इसमें प्रत्येक प्रखंड से प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी समूह के दोनो सदस्यों को जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित किया गया था। आज क्विज हुई।इसमें आर. के. प्लस टू हिरणपुर के दामिनी कुमारी और दिशा साहा प्रथम, उत्क्रमित उच्च विद्यालय देवीनगर महेशपुर के मयंक पांडे और कुमार अनुज आनंद दितीय स्थान पर, कस्तूरवा गांधी बालिका विद्यालय अमड़ापाड़ा के निकिता टुडू और बहा बेशरा तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को दस हजार, दूसरे स्थान प्राप्त करने वाले को सात हजार पांच सौ, तथा तीसरे स्थान प्राप्त करने वाले को पांच हजार रूपए का चेक देकर जिला अग्रणी प्रबंधक मनोज कुमार एवं भारतीय रिजर्व बैंक के रौशन गिरिया ने पुरस्कृत किए।नवीन ठाकुर ने बैंको के विभिन्न योजनाओ से लोगो को अवगत कराए। अमित कुमार वर्धन ने मंच का संचालन किए। उन्होंने उपस्थित सभी शिक्षक, अभिभावक का धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सफल प्रतिभागियों को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी।

सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों के सभी जरुरी नियमों का पालन करें

पाकुड़/झारखंड देखो। जिला के परिवहन विभाग के रोड सेफ्टी सेल के सदस्यों के द्वारा पाकुड़ थाना मे संचालित ऐलिट पब्लिक स्कूलके सभी विद्यार्थीयों के बीच रोड सेफ्टी एवं यातायात सम्बंधित सभी जरुरी नियमों का अनुपालन करने के प्रति विद्यार्थी एवं स्कूल के टीचर को जागरूक किया। जिसमे मुख्य रूप से हिट एण्ड रन एवं गुड सेमिरिथन के बारे में भी बताई गई और बताया गया की सड़क पर वाहन चलाते समय ट्रैफिक नियमों के सभी जरुरी नियमों का पालन करें और अपने स्तर से भी ज्यादा से ज्यादा लोगो को भी जागरूक करें एवं साथ ही रोड़ सेफ्टी हैण्डबुक, रोड एक्सीडेंट ईयर 2022 का सड़क दुर्घटना का बुक और रोड़ सेफ्टी पम्पलेट कि भी वितरण गई। मौके पर उपस्थित रोड सेफ्टी के सदस्य, आईटी असिस्टेंट स्कूल के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षक उपस्थिति थे।

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने किया गुतु गलांग ट्रस्ट का निरीक्षण

पाकुड़/झारखंड देखो।

- **राज्यपाल महोदय ने सखी मंडल के कार्यो को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए तीन मूल मंत्र दिए, गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद, पारदर्शिता एवं त्रुटिरहित लेखा संधारण**

राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने शुक्रवार को पाकुड़ जिला के लिट्टीपाड़ा प्रखंड में विशिष्ट जनजाति सखी मंडल द्वारा संचालित 'गुतू गलांग कल्याण ट्रस्ट' के बरबट्टी उत्पादन एवं विक्रय के साथ अन्य उत्पादित सामग्रियों एवं कार्यप्रणाली को देखते हुए कहा कि यह संस्था स्वयं सहायता समूह के लिए रोल मॉडल है। राज्यपाल महोदय ने वहां विशिष्ट जनजाति सखी मंडल द्वारा संचालित बोरा सिलाई केंद्र, बोरा छपाई केंद्र, उत्पादित सामग्रियों का भंडार गृह देखा एवं पीवीटीजी के पारंपरिक पोषण एवं चिकित्सा पद्धति के स्टॉल में जाकर पारंपरिक चिकित्सा की इस पद्धति की जानकारी ली और कहा कि इसके संरक्षण एवं संवर्धन की आवशच्यकता है। राज्यपाल महोदय ने वहां उपस्थित स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि इस समूह के कार्य को देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। इस सुदूरवर्ती पीवीटीजी गांव में स्वयं सहायता समूह का कार्य एक लघु उद्योग के रूप में स्थापित हो चुका है। इस केंद्र के द्वारा उत्पादित बोरा एवं सामग्री अन्य जिले में भी आपूर्ति की जाती है। सच ही कहा गया है 'जहां चाह है, वहां राह है'। राज्यपाल महोदय ने सखी मंडल को अपने ट्रस्ट के कार्यो को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए तीन मूल मंत्र दिए। ये मूल मंत्र हैं- 1.गुणवत्ता पूर्ण उत्पाद 2.पारदर्शिता 3.त्रुटिरहित लेखा संधारण। माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण उत्पाद के कारण उपभोक्ता का विश्वास बढ़ता है एवं उनके द्वारा पुनः उत्पाद की मांग की जाती है। यह क्रम निरंतर चलते रहने से आपसी विश्वास बढ़ता है एवं व्यवसाय फलता-फूलता है। पारदर्शिता से आपसी मन-मुटाव नहीं होता है, सभी को उचित लाभांश मिलता है एवं वे ऊर्जान्वित होकर काम करते हैं। त्रुटि रहित लेखा संधारण से पूंजी लगातार बढ़ते रहती है। राज्यपाल के द्वारा सभी दीदियों को इस कार्य के लिए उत्साहवर्धन किया गया एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। माननीय राज्यपाल ने सभी महिलाओं के बेहतर भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि भविष्य में मेहनत और ईमानदारी से कार्य करने पर वे ओर आगे बढ़ सकती है। उन्होंने कहा कि समूह की दीदियों का कार्य काफी सराहनीय है। मौके पर पुलिस अधीक्षक श्री एच. पी. जनार्दनन, उप विकास आयुक्त मो० शाहिद अख्तर, अपर समाहर्ता श्रीमती मंजू रानी स्वांसी, अनुमंडल पदाधिकारी श्री हरिवंश पंडित, डीआरडीए निदेशक श्री संजय कुमार दास, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, पाकुड़ एसडीपीओ अजीत कुमार विमल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी सहित प्रखंड के दर्जनों सखी मंडल दीदी उपस्थित थे।

राज्यपाल से अभिभावकों ने कोल प्रबंधन से बस उपलब्ध कराने को लेकर सौंपा ज्ञापन

पाकुड़/झारखंड देखो। केंद्र विद्यालय सिंगारसी में अध्ययनरत छात्रों अभिभावकों ने संयुक्त रूप से डूमरचीर पहुंचे राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अभिभावक संजीत भगत, मनोज भगत, श्रीजल हांसदा, जय शंकर भगत, संजय कुमार रजक, शंकर कुमार झा सहित दर्जनों अभिभावकों द्वारा राज्यपाल को सौंपी गई ज्ञापन में अभिभावकों ने कहा है कि अमड़ापाड़ा कॉल माइंस प्रभावित इलाका है हमारे बच्चे केंद्रीय विद्यालय सिंगरसी में स्थित है जो यहां से 20 किलोमीटर दूर पर स्थित है यहां से आने जाने वाले बच्चों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और अभिभावकों को आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। प्रत्येक दिन यहां से 60 से 70 बच्चे अपने निजी खर्च पर स्कूल आना-जाना करते हैं। कई ऐसे अभिभावक हैं जो बस का किराया व हल करने में सक्षम नहीं है अतः अनुरोध है कि बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए आप अपने स्तर से स्कूल बस फ्री सेवा दिलाने की कृपया करें इस कार्य के लिए आपका सदा आभारी रहेंगे। अभिभावकों ने डूमरचीर पंचायत भवन परिसर में राज्यपाल के हाथों ज्ञापन सौंपा।

वृक्षारोपण काम में लगे मजदूरों से मिले राज्यपाल , बाटा टॉफी

पाकुड़/झारखंड देखो। आदिवासी और आदिम जनजाति से डूमर चिर पहुंचे राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन जनसंवाद करने के बाद वापस लौटने के क्रम में खेत में काम कर रहे हैं मजदूरों से मिले। कार्यक्रम स्थल से महज आधी किलो मीटर की दूरी पर वृक्षारोपण काम में लगे मजदूर को देख राज्यपाल अपनी गाड़ी से उतर कर खेत में मजदूरों से मिलने पहुंचे उनसे उनका हाल जाना और काम के बारे में जानकारी ली। राज्यपाल को मजदूर अपने बीच पाकर काफी खुश हुए और राज्यपाल ने उन्हें अपने हाथों से चॉकलेट बाटा। मजदूरों से मिलते राज्यपाल को देख प्रभारी उपायुक्त व डीडीसी शाहिद अख्तर भी अपनी गाड़ी से उतर कर मजदूरों के पास पहुंचे और उनका हाल जाना।

लिट्टीपाड़ा में दो अलग अलग सड़क दुर्घटना में एक कि मौत, चार

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो। थाना क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा घरमपुर मुख्य सड़क शहरपुर गांव के समीप अज्ञात वाहन के चपेट में आने से मोटरसाइकिल चालक की मौके पर ही मौत हो गया. जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया. जानकारी के अनुसार बाडू पंचायत के बाडू गांव निवासी पतरास मालतो व मसी मालतो किसी काम से धरमपुर गया था. धरमपुर से घर लौटने के क्रम में शहरपुर के टर्निंग में एक अज्ञयात ट्रंक ने सीधे टक्कर मारने से दोनों व्यक्ति बुरी तरह जख्मी हो गया. दुर्घटना के बाद कोई दोनो घायल का सुधि लेने नही पहुँचा और आधे घण्टे तक दोनों घायल सड़क किनारे तड़पता रहा. ग्रामीणों ने इसकी सूचना मीडिया कर्मियों को दिया। ततपश्चात घटना की सूचना पुलिस को दी गयी। सूचना मिलते ही पुलिस घटना स्थल पहुँचकर शिव पतरास को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र में भर्ती किया. जबकि मसी मालतो की मौत घटना स्थल में ही हो गया था. पुलिस दो पहिये वाहन को जप्त कर लिया है और फरार ट्रंक पहचान कर पकड़ने के लिए सभी सीमावर्ती थाना को सूचित किया है. वही पुलिस शव को पोस्टमार्डम कराने के लिए परिजनों को सूचित किया है। वही लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्र के लिट्टीपाड़ा घरमपुर मुख्य सड़क रामपुर के समीप शुक्रवार को टेम्पो और ट्रक के आमने सामने की टक्कर से टेम्पो में सवार तीन महिला गंभीर रूप से घायल हो गया। सभी घायलों को पुलिस और ग्रामीणों की सहयोग से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहाँ डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के पश्चात दो महिला को बेहतर इलाज के लिए पाकुड़ रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार टेम्पो संख्या जेएच 15 वाई 6036 घरमपुर से यात्री लेकर लिट्टीपाड़ा की ओर आ रही थी कि लिट्टीपाड़ा की ओर से जा रहे एक ट्रक ने रामपुर के समीप सामने से टक्कर मार कर फरार हो गया. घटना में टेम्पो सड़क से लगभग 20 फिट नीचे जाकर पलट गया. जिससे टेम्पो में सवार थाना क्षेत्र के डहरलहंगी गांव निवासी लुखी टुडू 22, तालामई सोरेन 38, लुखी हांसदा 18 गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया. जहा चिकित्सको द्वारा घायल का प्राथमिक उपचार कर गंभीर रूप से घायल लुखी टुडू एवं तालामई सोरेन को बेहतर इलाज के लिए पाकुड़ रेफर कर दिया. थाना प्रभारी अरुणिमा बागे ने बताया अज्ञात ट्रक और टेम्पो की टक्कर से तीन महिला घायल हुई है. जिसे इलाज के लिए भेज दिया गया है. दुर्घटना ग्रस्त टेम्पो को जप्त कर लाया गया है. चालक फरार है. मामले की जांच किया जा रहा है.

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर दो सत्रों में कई प्रतियोगिताएं आयोजित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर जिला कुश्ती संघ दुमका एवं हॉकी दुमका के संयुक्त तत्वाधान में दो सत्रों में कई प्रतियोगिताएं आयोजित कर हर्षोल्लास के साथ ओलंपिक दिवस मनाया गया।

प्रथम सत्र में सिदो-कान्हो उच्च विद्यालय के प्रांगण में विद्यालय प्रबंधन के सराहनीय सहयोग से निबंध,चित्रांकन और ओलंपिक दिवस क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमें कुल 125 प्रतिभागियों ने भाग लिया उपरोक्त प्रतियोगिताओं के विजय प्रतिभागीगण जिन्होंने प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किया है।

» चित्रांकन प्रतियोगिता

प्रथम स्थान पर अमन हुसैन,द्वितीय स्थान पर आलिया सदाब तथा तृतीय स्थान पर श्रेया पासवान ने अपने उम्दा चित्र ओलंपिक पर आधारित बनाकर कब्जा जमाया*।

» निबंध प्रतियोगिता

प्रथम स्थान पर आरफा फातमा कक्षा-अष्टम,द्वितीय स्थान पर ईशा मुखर्जी कक्षा-नवम तथा तृतीय स्थान पर पूजा गुप्ता वर्ग-अष्टम रही।

» ओलंपिक दिवस क्विज प्रतियोगिता

प्रथम स्थान पर संयुक्त रूप से दो विजेता हुए जिसमें ईशा मुखर्जी तथा आलिया रिजवान जबकि दूसरे स्थान पर सुमबुल शबा वहीं तीसरे स्थान पर संयुक्त रूप से तीन प्रतिभागीगण समान अंकों के साथ कब्जा जमाया जिनमें समर फातमा,कशिश कुमारी,गीता मुर्मू शामिल है। सभी कक्षा नवम की छात्राएं हैं। इस पावन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि - जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष कुमार हेंब्रम,विशिष्ट अतिथि- तूफान पोद्दार जिला खेल पदाधिकारी,सम्मानित अतिथि सिदो कान्हो उच्च विद्यालय की प्रबंधन समिति की संयोजिका रोदोषी मुखर्जी,निदेशिका सुनिता मुखर्जी तथा दुमका जिला कुश्ती संघ हॉकी दुमका के उपाध्यक्ष प्रदीप्त मुखर्जी डम्पा दा,पत्रकार गौतम कुमार,सचिव संदीप कुमार जय बमबम,संयुक्त सचिव राजेश कुमार राउत ने अपने कर-कमलों द्वारा विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया तथा ओलंपिक दिवस पर अपना अपना संबोधन रखते हुए प्रतिभागियों का हौसला अफजाई किया। मुख्य अतिथि आशीष कुमार हेंब्रम,जिला शिक्षा अधीक्षक ने अपने संक्षिप्त संबोधन में उपस्थित छात्रविंद को खेल में हार या जीत की महत्ता नहीं देकर प्रतियोगिता में प्रतिभागिता महत्वपूर्ण है क्योंकि जब प्रतिभागी बनेंगे तब ही जीत या हार प्राप्त कर सकेंगे वहीं विशिष्ट अतिथि-तूफान पोद्दार जिला खेल पदाधिकारी ने अपने जीवन का संक्षिप्त परिचय रखते हुए ओलंपिक की महत्व खिलाड़ी में क्या है हर खिलाड़ी का सपना होता है कि ओलंपिक में भाग लें कड़ी मेहनत के बाद खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में भाग लेते और काफी मशक्कत व बेहतर प्रदर्शन के बाद मेडल प्राप्त करते हैं।कार्यक्रम को सफल बनाने में भास्कर मुखर्जी रंजीत कुमार मिश्रा सुनील कुमार,मंतोष तिवारी, अभिषेक मुखर्जी, राजेश कुमार राय, कृतिका राज, विक्रम कुमार ने सराहनीय योगदान दिया।कार्यक्रम का संचालन सचिव संदीप कुमार जय बमबम तथा धन्यवाद ज्ञापन राजेश कुमार राउत ने किया।द्वितीय सत्र में संध्या 4 बजे खुंटा बांध टापू ,दुमका जिला कुश्ती संघ के द्वारा संचालित कुश्ती के अखाड़े पर मैत्री कुश्ती (फ्रेंडली रेसलिंग) कराया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

दिन दहाडे घर के सामने से बाइक चोरी

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शास्त्री नगर से दिन -दहाड़े बाइक उडा ले गए वाहन चोर। शास्त्री नगर मोहल्ले से दिन दहाडे घर के सामने से महज पंद्रह मिनट के अंतराल बाइकचोर बाइक लेकर चपंत हो गए।बाइक के संबंध में बताया जा रहा है कि सरार रोड निवासी विवेक मिश्र अपने किसी रिश्तेदार से मिलने शास्त्री नगर गए हुए थे।घटना लगभग चार बजे के आसपास बताया जा रहा है।होण्डा शाइन केए03 एचसी- 2446 है।

सड़क दुर्घटना में महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार को शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के पत्तावाड़ी सिउड़ी मार्ग पर पहरूडीह के समीप एक कार ने सड़क किनारे खड़े मिनी ट्रक में जोरदार टक्कर मार दी,जिसमें कार के आगे का हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया तथा कार में सवार एक महिला समेत चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार कार सवार लोग कोलकाता से बासुकीनाथ पूजा करने जा रहे थे। ग्रामीणों के सहयोग से उन लोगों को इलाज के लिए दुमका भेजा गया जहां चिकित्सकों द्वारा स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उन्हें रेफर कर दिया गया।बर्दवान जाने के क्रम में ही एक व्यक्ति जो कि कार मालिक था पवन कुमार बंका उम्र 63 वर्ष की मृत्यु हो गई वही उसकी पत्नी मंजू बंका,रामचरित्र ठाकुर एवं कार चालक मनोहर कुमार गंभीर रूप से घायल हैं जिनका इलाज पश्चिम बंगाल के अस्पताल में चल रहा है। बंगाल पुलिस मृत पवन कुमार बंका का पोस्टमार्टम करा चुकी है इसकी जानकारी उनके एक नजदीकी परिजन द्वारा दी गई। दुर्घटना की सूचना प्राप्त होते ही शिकारीपाड़ा पुलिस ने दुर्घटना स्थल पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जप्त कर अपने कब्जे में ले लिया है।

पिकअप वैन और बाइक की टक्कर में बाइक सवार 19 वर्षीय युवक की मौत,पिता गंभीर रूप से घायल

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। बीते गुरुवार की देर रात गोपीकांदर थाना क्षेत्र के जियापानी ढलान के पास मोटरसाइकिल और पिकअप वैन के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई, जिसमें मोटरसाइकिल सवार 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई वहीं युवक का पिता गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक युवक की पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के मुस्लिम शेख (19) और उनके पिता तन्नू शेख (44) वर्ष के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक तन्नू शेख अपने बेटे मुस्लिम शेख के साथ बाईक से गांव-गांव घूमकर कर कपड़ा बेचने का काम करते हैं।गुरुवार की रात दोनों बाप-बेटे कपड़ा बेजकर रामगढ़ से मालदा अपने घर जा रहे थे, घर जाने के क्रम में जियापानी ढलान के पास विपरीत दिशा में आ रही आम लदी पिकअप वैन की चपेट में आने से घटनास्थल पर ही मुस्लिम शेख ने दम तोड़ दिया तो उनके पिता तन्नू शेख गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पिकअप वैन का चालक पिकअप को छोड़कर भाग खड़ा हुआ। स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा घटना की सूचना गोपीकांदर थाना पुलिस को मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर घायल तन्नू शेख को इलाज हेतु सीएचसी गोपीकांदर लाया जहां पर चिकित्सकों ने प्रथमिक उपचार कर तन्नू शेख को बेहतर इलाज हेतु फुलो-झानों मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका रेफर कर दिया गया। पुलिस ने शव को कब्जे लेकर पोस्टमार्टम हेतु दुमका भेज दिया है। पिकअप वैन को जब्त कर थाना परिसर लाया गया है।

बुनियादी मध्य विद्यालय बनियारा में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षको को दिया गया कम्प्यूटर प्रशिक्षण

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार को दस दिवसीय कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम के छठे दिन बुनियादी मध्य विद्यालय बनियारा में शिक्षको को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षक स्मृति कुमारी,नमन राय,सुमित प्रकाश,रंजीत,नमित जायसवाल, अमित कुमार द्वारा शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में बनियारा,कसबा,बारिडीह,चिहुटिया, कुरमाहाट,मिर्जापुर,खुटहन,कांजो, मजडीहा,छोटी रणबहियार, गमहरिया हाट इत्यादी विद्यालयों के शिक्षक एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षक शामिल हुए।इस योजना के जिला समन्वयक अश्वनी कुमार ने विद्यालय पहुंचकर प्रशिक्षण संबंधी सभी बिंदुओं का जायजा लिया।

कुलाधिपति से मिले कुलपति

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। झारखण्ड राज्य के राज्यपाल सह कुलाधिपति सी. पी. राधाकृष्णन तीन दिवसीय संताल परगना दौरा पर हैं. इसी क्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ विमल प्रसाद सिंह ने महामहिम सी. पी. राधाकृष्णन से दुमका के राजभवन में शिष्टाचार भेट की और विश्वविद्यालय में चल रहे शैक्षणिक गतिविधियों एवं विकासात्मक कार्यों से महामहिम को अवगत कराया. इस बार विश्वविद्यालय में हूल दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है इसकी तैयारी के बारे में कुलाधिपति को विश्विद्यालय के कुलपति ने अवगत कराया. कुलपति ने महामहिम को विश्वविद्यालय में बीएड फीस संसोधन के बारे में अवगत कराया. कुलाधिपति ने विद्यार्थियों को समय पर डिग्री देने और गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा देने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री के हाथों 2550 युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र, अभ्यर्थियों के खिले चेहरे : डॉ अब्दुल मन्नान अंसारी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जामताड़ा । झामुमो के वरिष्ठ नेता सह प्रधानमंत्री 15 सूत्री कार्यक्रम सदस्य डॉ अब्दुल मन्नान अंसारी ने माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा 2550 अभ्यार्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे जाने पर हर्ष एवं खुशी जाहिर करते हुए झारखंड प्रदेश के डायनामिक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को बधाई एवं मुबारकबाद पेश किया है। बता दें कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य कर्मचारी चयन आयोग द्वारा चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र बांटा मुख्यमंत्री के हाथों नियुक्ति पत्र पाकर अभ्यर्थियों के चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। गुरुवार को रांची स्थित मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह में पंचायत सचिवों व लिपिकों को नियुक्ति पत्र बांटा गया। मुख्यमंत्री ने विभिन्न विभागों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। नौकरी देनेवाली केंद्र की संस्थाएं सिकुड़ती जा रही हैं, लेकिन झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार लगातार पढ़े-लिखे युवाओं को नौकरी दे रही है। उक्त मौके पर डॉक्टर अंसारी ने कहा देशभर में रोजगार की हालात पर नजर डालें तो स्थिति बड़ा विचित्र है, देशभर में बेरोजगारों की फौज खड़ी हो गई है और केंद्र सरकार युवाओं को झूठे सपने दिखा रही है लेकिन झारखंड की हेमंत सरकार यहां के युवाओं को लगातार नियुक्ति पत्र दे रही है और राज्य के नौजवानों को रोजगार की पीड़ा से बाहर करने की कोशिश कर रहा है। सरकार बेहतर तरीके से विकास के लिए बेरोजगार लोगों के रोजगार सृजन का काम कर रही है ऐसे में किसी भी बेरोजगार नौजवान को हिम्मत हारने की जरूरत नहीं है।हेमंत सरकार हमेशा राज्य के युवाओं के साथ हैं और वर्तमान में जो भी झारखंड में नियुक्तियां खाली है उन तमाम जगहों को हेमंत सोरेन सरकार द्वारा जल्द ही भरा जाएगा।

बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति की 4 जुलाई को गोमिया में धरना प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा : जिप अध्यक्ष

झारखंड देखो/प्रतिनध।

गोमिया। बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति की बैठक शुक्रवार को गोमिया बैंक मोड़ स्थित गायत्री गेस्ट हाउस में हुई। इस बैठक में मुख्य रूप से जिला परिषद के अध्यक्ष सुनीता देवी, गोमिया प्रखंड प्रमुख प्रमिला चौड़े, जिप सदस्य डॉ सुरेंद्र राज, अरविंद कुमार, विमला देवी, जिप सदस्य आकाश लाल सिंह के प्रतिनिधि सनत प्रसाद, मुखिया शान्ति देवी उपस्थित थी। बेरमो को जिला बनाने की मांग को लेकर समिति अनुमंडल के अलग अलग प्रखंडों में लगातार धरना प्रदर्शन कर रही है। इसी निमित गोमिया प्रखंड मुख्यालय में आगामी 4 जुलाई को धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित है। इस अवसर पर जिला परिषद के अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि 4 जुलाई को होने वाला धरना प्रदर्शन ऐतिहासिक होगा। इस धरना प्रदर्शन में गोमिया प्रखंड के 36 पंचायत के मुखिया, पंसस, उप मुखिया, वार्ड सदस्य और दस हजार ग्रामीण जनता भाग लेंगे। सरकार को गोमिया की जनता संदेश देने की काम करेगी कि जल्द बेरमो को जिला बनाने की दिशा में कार्य करे। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन तब तक जारी रहेगी जब बेरमो को जिला नहीं बनाया जाता है। मौके पर ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष चितरंजन साव ने भी अपने विचार व्यक्त किए जबकि संयोजक संतोष नायक ने बैठक का संचालन किया और धन्यवाद ज्ञापन सह संयोजक कुलदीप प्रजापति ने किया। बैठक में नारायण महतो, जेएसएलपीएस के किरण देवी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

चार दिवसीय अर्श सत्र का आयोजन

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। शुक्रवार को सदर प्रखंड दुमका के भुरकुंडा पंचायत में पिरामल फाउंडेशन के द्वारा किशोर किशोरियों को स्वास्थ संबंधित जानकारी देने हेतु अनामाया के अंतर्गत चार दिवसीय अर्श सत्र का आयोजन किया गया। तीसरे सत्र की शुरुआत में पिरामल फाउंडेशन के डी एल गुलशन कुमार ने सभी किशोर किशोरियों को सत्र के महत्वता के बारे में जानकारी दी। अर्श सत्र के हर पहलू पर पिरामल गांधी फैलो देवसिश कालिंदी ने सभी पार्टिसिपेंट को किशोरावस्था में शारीरिक मानसिक विकास के बारे में जानकारी दी। साथ ही आर.के.एस एवम युवा मैत्री से संबंधित बिन्दुओं पर चर्चा कर सभी को इसके महत्व को बताया। वहीं जिला प्रतिनिधी कृष्णा कुमार पोद्दार ने समुदाय को आगे आकर समाज को स्वास्थ शिक्षा के लिए खुद को जागरूक करने की बातें कही।

जिस प्रकार अग्नि के स्पर्श से जलना निश्चित है, उसी प्रकार अनजाने या अनिच्छा से भगवान नाम लेने सभी पाप जलकर भस्म हो जाते हैं : युगल किशोर शास्त्री

जमशेदपुर । कृष्णा भावनामृत संघ द्वारा श्री श्री जगन्नाथ महाप्रभु रथयात्रा महोत्सव के उपलक्ष में श्री राजस्थान भवन (मौसी बाड़ी) मानगो में साप्ताहिक श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन श्री धाम वृंदावन से पधारे हुए कथा व्यास पूज्य संत श्री युगल किशोर शास्त्री जी ने आज भगवान शिव और दक्ष प्रजापति का मनोमालिन्य, माता सती का अपने पिता के यज्ञ उत्सव में जाने की जिद करना, माता सती का अग्नि कुंड प्रवेश, वीरभद्र कृत, दक्ष यज्ञ विध्वंस और दक्ष वध, ध्रुव जी का वन गमन एवं भगवान का दर्शन, राजा वेन की कथा, महाराजा पृथु का आविर्भाव एवं राज्य अभिषेक, पंचम स्कंध में प्रियव्रत का चरित्र, जड़ भरत का चरित्र, अजामिल व्याख्यान, यमदूत को देखकर अजामिल के मुंह से अपने पुत्र का नाम नारायण नारायण और देवदूत द्वारा यमदूत को खदेड़ना, भगवान के नाम की महिमा, कैलाश जी का चरित्र, महाराज ध्रुव के चरित्र का वर्णन, प्रहलाद जी महाराज के चरित्र का वर्णन आदि कथाएं श्रोता गण को सुनाई गई ' इसके साथ कथा व्यास जी ने अजामिल व्याख्यान में कहा कि अगर हम अपनी संतानों का नाम भगवान के नाम पर रखेंगे तो भले ही अपने हम संतान को बुलाएं पर वह भगवान का नाम का उच्चारण होते रहेगा और मृत्यु काल में जब जीव भय से ही अपने संतान को बुलाएगा तो वह भगवान के परमधाम को जाएगा '

इसके साथ में गुंडिचा मंदिर राजस्थान भवन में श्री जगन्नाथ महाप्रभु, बलभद्र महाप्रभु एवं माता सुभद्रा जी की सेवा निरंतर हो रही है ' भगवान को तरह-तरह के पकवान भोग लगाए जा रहे हैं ' विशेष रूप से श्रृंगार हो रहा है ' कल शनिवार को कथा का चतुर्थ दिन होगा जिसमें भगवान का जन्म और बाल लीलाओं का वर्णन होगा ' इस उपलक्ष में श्री विग्रह का विशेष सिंगार होगा, जिसमें फूलों की पोशाक बनाई जाएगी '

भागवत कथा में कमेटी के सदस्यों के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तगणों ने कथा का रसास्वादन लिए।

विवि में हूल दिवस को लेकर आयोजक समिति का गठन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सिदो कान्हू मुर्मू विवि में हूल दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम मनाया जायेगा इसको लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने जोर-शोर से तैयारी शुरू कर दिया हैं ।इस बार हूल दिवस कार्यक्रम का मुख्य अथिथि डॉ. शयामाप्रसाद मुखर्जी विश्विद्यालय, रांची के कुलपति प्रो. डॉ. तपन कुमार शांडिल्य होंगे. आयोजन का सफल कार्यान्वयन के लिए विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संजय सिन्हा ने आयोजक समिति का गठन कर दिया हैं । आज को हुल दिवस तैयारी को लेकर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ विमल कुमार सिंह के अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के सभी पदाधिकारी और सभी समिति के समन्वयक का महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुआ. इस बैठक में कुलपति ने सर्वप्रथम विभिन्न समितियों द्वारा आयोजन को लेकर की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी लिया उसके बाद विभिन्न समितियों के समन्वयक ने खर्च का ब्योरा सौंपते हुए अपना समिति का कार्य प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. आज के बैठक में विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय सिंह, कुलसचिव डॉ. संजय सिन्हा, कुलानुशासक डॉ. काशीनाथ झा, सीसीडीसी डॉ. विजय कुमार, वित्त पदाधिकारी राजीव कुमार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, डॉ. जय कुमार सहा, डॉ. अनिल कुमार वर्मा, डॉ. विनय कुमार सिन्हा, डॉ. निलेश कुमार, डॉ. निर्मला त्रिपाठी, प्रो. रविन्द्र के एस चौधरी,डॉ. संजीव सिन्हा, डॉ. अजोय सिन्हा, डॉ. निरंजन मंडल, डॉ. स्नेहलता मुर्मू, धनजय मिश्रा, राजकुमार झा, इगानोसिस मरांडी एवं सूरज पाठक आदि उपस्थित थे.

मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। सेवा सुशासन एवम गरीब कल्याण के 9 वर्ष यानि प्रधानमंत्री के 9वर्ष के पूर्ण होने पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा पूर्व घोषित कार्यक्रम महा जनसंपर्क अभियान के तहत पूर्व मंत्री लुईस मरांडी ने दुमका शहर अंतर्गत गोकुलधाम में घर घर जाकर लोगों को मोदी सरकार के 9 वर्ष की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। डॉक्टर मरांडी ने लोगों को बताया कि किस प्रकार माननीय प्रधानमंत्री जी ने जन-जन की भावनाओं का तो ख्याल रखा ही देश को हर मोर्चे पर आगे ले जाने का काम किया। समाज में समानता लाने की बात हो, सामरिक क्षेत्र में देश की मजबूती की बात हो, कोरोना के समय देश की जनता को आत्मबल देते हुए जनता के लिए हर सुविधा का ख्याल रखने के बात, माननीय प्रधानमंत्री जी ने जो भी वादे जनता से किए उन्होंने देश की जनता को उसे पूरा करके दिखाया है। धारा 370 हटाने की बात हो या राम मंदिर निर्माण का प्रश्न। विपक्ष हमेशा से राम मंदिर के मुद्दे पर लोगों को भड़काने का काम किया करता था कि जब जब चुनाव आता है भाजपा राम मंदिर राम मंदिर करती है लेकिन माननीय प्रधानमंत्री जी ने मंदिर का निर्माण कराकर एवं मंदिर के लोकार्पण के संभावित तिथि की घोषणा कर विपक्ष के मुंह पर ताला लगवाने का काम किया। डॉक्टर मरांडी ने कहा देश की जनता ने प्रधानमंत्री को जिस उम्मीदवार विश्वास के साथ प्रधानमंत्री पद पर बिठाने का काम किया उन्होंने अपने कार्यों से जनता की उम्मीदों को पूरा करने का काम किया। इसलिए हमें साथ मिलकर मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्प लेने की आवश्यकता है। डॉक्टर मरांडी के साथ महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नीतू झा, गौतम कुमार, अजय पाठक, सुशील श्रीवास्तव, दीपेन झा, राजीव मिश्रा, रवि मंडल टनटन साह, विशाल रक्षित सहित अनेकों कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

रिम्स में मरीजों को दवा और जांच के लिए अब परेशान नहीं होना पड़ेगा : आर के गुप्ता

रांची। राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान(रिम्स) के प्रभारी निदेशक प्रो (डॉ) आर के गुप्ता ने कहा कि रिम्स में मरीजों को अब दवा और जांच के लिए अधिक परेशान नहीं होना पड़ेगा। प्रभारी निदेशक डॉ राजीव गुप्ता ने कहा कि छह जून को प्रभार लेने के बाद इमरजेंसी और इलाज के लिए बेसिक परेशानी को दूर करना उनका लक्ष्य था। उन्होंने कहा कि मरीजों को गॉज, बैंडेज, आईबी फ्लूइड की कमी दूर कर दी गई है। जरूरी दवाइयां भी रिम्स में उपलब्ध करा दी गई है । साथ ही अन्य दवाइयों के लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। 23 सैंपल कलेक्शन सेंटर बनाए गए हैं, जहां मरीज सैंपल दे सेकेंगे और रिपोर्ट भी मरीजों को मिलेगी।

गुप्ता शुक्रवार को रिम्स में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि रिम्स के इमरजेंसी और ट्रामा सेंटर में सुधार के लिए कई कदम उठाये जा रहे है। इनमें 18 वेंटीलेटर और सभी ऑक्सीजन प्वाइंट को कार्यशील करने, 24 घंटे डॉक्टरों की मौजूदगी के लिए रोस्टर तैयार करने, हैंड ओवर और टेकओवर रिपोर्ट प्रति पाली में तैयार करने,नर्सों का ड्यूटी का रोस्टर तैयार करने, ड्यूटी पर तैनात नर्स को दवाओं की उपलब्धता का हिसाब और हैंड ओवर रिपोर्ट बनाने, चिकित्सा अधीक्षक और उपाधीक्षक प्रतिदिन इमरजेंसी की व्यवस्थाओं की निगरानी करने, प्रथम तल पर 20 आईसीयू बेड और एक ऑपरेशन थिएटर तैयार करना शामिल है ।

उन्होंने बताया कि रिम्स में सुरक्षा को लेकरअनावश्यक और आवंछित आवाजाही पर रोक लगाने के लिए कई पॉइंट पर बैरियर इत्यादि लगाए जायेंगे। होम गार्ड और सैप के जवान वार्ड में रहेंगे तैनात ।

उन्होंने कहा कि ऐसे क्षेत्र जहां से अवांछित अनावश्यक लोग प्रवेश करते हैं । उन जगहों की पहचान कर सुरक्षाकर्मी तैनात किये जायेंगे। 24 घंटे और सातों दिन त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी)वॉकी टॉकी के साथ तैनात रहेंगे, जो अस्पताल और रिम्स परिसर की सुरक्षा की निगरानी करेंगे । उन्होंने कहा कि रात्रि ड्यूटी में महिला डॉक्टर के साथ सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।

इसके अलावा आयुष्मान भारत के तहत इलाज कराने वालों के लिए आयुष्मान मित्र और जगह जगह कंप्यूटर ऑपरेटर तैनात किये जायेंगे। साथ ही ओपीडी भवन में कैश काउंटर की संख्या बढ़ा कर पांच किया जायेगा। उन्होंने बताया कि डायलिसिस की निविदा की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गयी है और जल्द ही रिम्स में डायलिसिस की सुविधा ओपीडी में भर्ती मरीजों के लिए शुरू की जाएगी।

उन्होंने बताया कि इंटरनेट सेवा को दुरुस्त करने के लिए 13 महत्वपूर्ण जगहों पर वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है एवं एनआईसी और एयरटेल के माध्यम से अतिरिक्त समर्पित लीज लाइन की व्यवस्था की जा रही है। इसके संचालन 1 -2 दिनों में शुरू हो जायेगा।

झारखंड के आठ उप निर्वाचन पदाधिकारियों के तबादले

रांची,। झारखंड के आठ उप निर्वाचन पदाधिकारियों का तबादला किया है। इस संबंध में झारखंड सरकार के मंत्रिमंडल (निर्वाचन) विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

जारी अधिसूचना के अनुसार उप निर्वाचन पदाधिकारी चतरा पूर्णिमा कुमारी को धनबाद का उप निर्वाचन पदाधिकारी के पद पर पदस्थापित किया गया है। बोकारो के उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन को रांची का उप निर्वाचन पदाधिकारी बनाया गया है।इसी प्रकार पूर्वी सिंहभूम के उप निर्वाचन पदाधिकारी कानू राम नाग को सरायकेला-खरसांवा, सरायकेला-खरसावां के उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह को पूर्वी सिंहभूम, सिमडेगा के उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर को खूंटी, पलामू के उप निर्वाचन पदाधिकारी शैलेश कुमार सिंह को देवघर, लातेहार के उप निर्वाचन पदाधिकारी बंधन लौंग को पश्चिम सिंहभूम और दुमका के उप निर्वाचन पदाधिकारी अशोक कुमार दास को तबादला गिरिडीह के पद पर पदस्थापित किया गया है।

पूव मुख्यमत्रा काड़ा क खिलाफ आराप गठन को लेकर दाखिल आईए हाई कोर्ट में मंजूर

रांची। झारखंड हाई कोर्ट के जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में शुक्रवार को राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण घोटाले में आरोपित पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की ओर से दायर हस्तक्षेप याचिका (आईए) पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता की हस्तक्षेप याचिका को मंजूर करते हुए फाइनल सुनवाई के लिए पांच सप्ताह बाद की तिथि निर्धारित की। कोर्ट ने मामले में निचली अदालत से इस केस के ट्रायल की वर्तमान स्थिति मांगी है।

पूर्व में कोर्ट ने मामले में याचिकाकर्ता को निचली अदालत के आरोप गठन के खिलाफ फ्रेश हस्तक्षेप याचिका (आईए) दायर करने का निर्देश दिया था। इससे पहले मधु कोड़ा की ओर से पूर्व में दाखिल आईए को वापस ले लिया गया था। याचिकाकर्ता ने सबसे पहले हस्तक्षेप याचिका दायर कर निचली अदालत द्वारा मामले में उनके डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। इसी दौरान निचली अदालत ने उनके खिलाफ आरोप गठित कर दिया था। इसके बाद मधु कोड़ा ने फ्रेश हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल कर निचली अदालत द्वारा मामले में आरोप गठित किए जाने को भी हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

उल्लेखनीय है कि मधु कोड़ा पर आरोप है कि पूर्व में मुख्यमंत्री के उच्च पद का दुरुपयोग करते हुए उन्होंने हैदराबाद की बिजली कंपनी आईवीआरसीएल के डायरेक्टर डीके श्रीवास्तव से मुंबई में 11.40 करोड़ रुपये घूस लिए। साथ ही कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए उसे लातेहार, गढ़वा और पलामू सहित छह जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण करने का टेंडर दे दिया। इस मामले की जांच सीबीआई कर रही है। इस मामले में मधु कोड़ा ढाई साल तक जेल में भी रहे थे। बाद में उन्हें 30 जुलाई, 2013 को जमानत मिली थी।

झारखंड-बिहार में हर तीसरे आदमी का बैंक बन चुका है एसबीआई : मुख्य महाप्रबंधक

खूंटी

-स्टेट बैंक ने किया किसान संपर्क वित्तीय समावेशन कार्यक्रम का आयोजन

भारतीय स्टेट बैंक की खूंटी शाखा के तत्वावधान में शुक्रवार को आरसी बॉयज स्कूल खूंटी में किसान संपर्क वित्तीय समावेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसबीआई के मुख्य महाप्रबंधक पटना मंडल शिव ओम दीक्षित तथा विशिष्ट अतिथि महाप्रबंधक आंचलिक कार्यालय रांची देवेश मित्तल क्षेत्रीय प्रबंधक चाईबासा क्षेत्र सुनील कुमार आजाद और मुख्य प्रबंधक भारतीय स्टेट बैंक खूंटी सिद्धार्थ शंकर झा ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

किसानों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि स्टेट बैंक बिहार और झारखंड के हर तीसरे व्यक्ति का बैंक बन चुका है। उन्होंने कहा कि स्टेट बैंक सभी तरह की विकास योजनाओं का लाभ किसानों और महिलाओं को देता है। मुख्य महाप्रबंधक ने स्टेट बैंक द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं और ऋणों की की जानकारी दी और किसानों का आह्वान किया कि वे बैंक की योजनाओं का लाभ उठाएं। इसके पूर्व अतिथियों के आगमन पर पारंपरिक नृत्य के साथ उनका स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान किसानों के बीच एक करोड़ 95 लाख 50 हजार के ऋण का वितरण किया गया तथा बच्चों के बीच स्कूल बैग वितरित किये गये। इसके साथ ही मुख्य अतिथि द्वारा प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत पांच लाभुकों को दो-दो लाख रुपये का चेक दिया गया।मौके पर आरसी बॉयज स्कूल के प्राचार्य फादर बेनेदिक्त बारला, मुख्य प्रबंधक यतेंद्र कुमार सिन्हा अमित तरुण मिंज, ओम प्रकाश, अभय कुमार, निशांत कुमार, पूर्णिमा हेमरोम, निधि कुमारी, प्रभा कच्छप सहित कई बैंक प्रबंधक और काफी संख्या में किसान उपस्थित थे।

राज्य में सखी मंडल से जुड़े अब तक 32.51 लाख परिवार

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश पर एक अभिनव प्रयास के जरिए पलाश ब्राण्ड से ग्रामीण महिलाओं को जहां एक ओर आजीविका का आधार मिला, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण महिलाओं द्वारा निर्मित एवं संग्रहित सरसों का तेल, चावल, आटा, दाल, मडुआ का आटा, लेमन ग्रास जैसे उत्पादों को लोगों के द्वारा खासा पसंद किया जा रहा है।

सखीमंडल के उत्पादों को राज्य समेत राष्ट्रीय स्तर पर पहचान स्थापित कर सखीमंडलों की अच्छी आमदनी सुनिश्चित की जा रही है। पलाश ब्रांड की सफलता को देखते हुए लगातार सखी मंडल से जुड़ी दीदियों के सशक्तिकरण की दिशा में कार्य हो रहा है। राज्य के 24 जिलों के 264 प्रखंड के 29,953 गांव में करीब 2.78 लाख सखी मंडलों का गठन किया जा चुका है और इससे करीब 32.51 लाख परिवार जुड़े हैं।

बैंकों से क्रेडिट लिंकेज के जरिए मिल रही मदद

राज्य के 2.69 लाख सखी मंडल को 418.31 करोड़ रुपये चक्रीय निधि के रूप में एवं 2.44 लाख सखी मंडल को 1296.42 करोड़ रुपये सामुदायिक निवेश निधि के रूप में उपलब्ध कराया गया है। करीब 2.26 लाख सखी मंडल को 6511 करोड़ रुपये बैंकों से क्रेडिट लिंकेज के रूप में मिला है।

आजीविका से जोड़ने का क्रम जारी

ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो, इसके लिए आजीविका सशक्तिकरण हुनर अभियान के जरिए राज्य के 29 लाख परिवारों को आजीविका के सशक्त माध्यमों से जोड़ा गया है। कृषि,पशुपालन, वनोपज, अंडाउत्पादन, जैविक खेती आधारित आजीविका से ग्रामीण परिवारों को आच्छादित किया जा रहा है। राज्य संपोषित जोहार परियोजना के तहत 17 जिलों के 68 प्रखंड के 3816 गांव में 3922 उत्पादक समूह एवं 20 उत्पादक कंपनियों का गठन एवं संचालन हो रहा है। जिसके तहत राज्य के करीब 2.24 लाख परिवारों की आय बढ़ोतरी के लिए कार्य प्रगति पर है।

वनोत्पाद से मिल रहा लाभ

राज्य के किसानों को वनोत्पाद का सही मूल्य दिलाने हेतु सिदो कान्हो वनोत्पाद संघ का गठन किया गया है। वहीं महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना के जरिए भी राज्य के 2.09 लाख परिवारों को लाह, रेशम, औषधीय पौधे की खेती, ईमली, कृषि एवं पशुपालन से जोड़ा गया है। राज्य संपोषित झारखंड माइक्रोड्रिप इरिगेशन परियोजना के तहत करीब 14246 किसानों के साथ को टपक सिंचाई तकनीक से जोड़ कर उन्नत खेती की जा रही है। इस परियोजना के तहत 30 हजार महिला-पुरुष किसानों को जोड़ने का लक्ष्य है।

तकनीक में निपुण हो रहीं महिलाएं

राज्य में बैंकिग कॉरेस्पॉन्डेंट, पशु सखी, कृषक मित्र, वनोपज मित्र आजीविका रेशम मित्र, सीआरपी समेत परियोजन क्रियान्वयन के लिए करीब 52,000 सामुदायिक कैडर को प्रशिक्षित कर परियोजना के क्रियान्वयन एवं विस्तारण में लगाया है। आधुनिक संचार तकनीक से इन महिलाओं को लैस किया गया है।

कांटाटोली फ्लाइओवर निमार्ण: रात दस से सुबह छह बजे तक वाहनों का प्रवेश रहेगा वर्जित

रांची। कांटाटोली फ्लाईओवर निर्माण को देखते हुए शुक्रवार को रात 10 बजे से सुबह छह बजे तक सभी प्रकार के वाहनों के आवगमन पर रोक रहेगी। यह व्यवस्था लॉन्चिंग कार्य खत्म होने तक जारी रहेगा। हालांकि, कांटाटोली चौक के पास रहने वाले लोगों के लिए इसमें छूट मिलेगी । साथ ही दुर्गा सोरेन चौक से खादगढ़ा बस स्टैंड के निकास द्वार से प्रवेश करने छूट मिलेगी। इस संबंध में गुरुवार रात ट्रैफिक एसपी की ओर से जानकारी दी गयी है।

> वाहनों के आवागमन के लिए यह रुट किये गए निर्धारित
> – खेलगांव से कांटाटोली होकर आने वाले सभी वाहन खेलगांव-टाटीसिल्वे-दुर्गा सोरेन चौक-नामकुम होकर अपने गंतव्य तक जाएंगे।

बकरीद में 13 जिलों में 4000 अतिरिक्त पुलिस की होगी तैनाती

रांची। झारखंड में बकरीद को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हाल के दिनों में सांप्रदायिक तनाव को देखते हुए प्रशासन अलर्ट है। सभी संवेदनशील क्षेत्रों की गतिविधियों पर नजर रखा जा रहा है। राज्य में विधि व्यवस्था बनाए रखने को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर राज्य के 13 जिलों में 26 जून से लेकर 29 जून तक 4000 अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसको लेकर आईजी अभियान की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है।

राज्य के लगभग सभी प्रमुख धार्मिक स्थलों खासकर मस्जिद और मंदिरों के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहां प्रतिनियुक्त होने वाले जवानों और पदाधिकारियों को सख्त निर्देश है कि वे किसी भी परिस्थिति में किसी की भी धार्मिक भावना को ठेस नहीं पहुंचाने दें। शरारती तत्व धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने की कोशिश कर सकते हैं। मंदिरों के आसपास कुछ आपत्तिजनक वस्तुएं फेंककर माहौल को खराब करने की कोशिश कर सकते हैं। इस पर नजर रखने के लिए सुरक्षा बलों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया गया है।.

> किस जिले में कितने अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती
> रांची : 700 लाठी बल, एक अश्रु गैस दस्ता, एक बम निरोधक दस्ता. इसके अलावा जैप और आईआरबी के नौ इक्को की तैनाती होगी।
> लोहरदगा : 300 लाठी बल।
> जमशेदपुर : 300 लाठी बल आरएपी की दो कंपनी, अश्रु गैस और बम निरोधक दस्ता एक।
> पलामू : 200 लाठी बल और बम निरोधक दस्ता एक।
> हजारीबाग : 350 लाठी बल, आरएपी की 6 कंपनी, अश्रु गैस दस्ता।
> गिरिडीह : 350 लाठी बल, आरएपी 5 कंपनी, एक अश्रु गैस दस्ता।

निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम की हिरासत अवधि सात जुलाई तक बढ़ी

रांची। ईडी के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में शुक्रवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ग्रामीण कार्य विभाग के निलंबित मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम की पेशी हुई। पेशी जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई। अदालत ने वीरेंद्र राम की न्यायिक हिरासत की अवधि सात जुलाई तक बढ़ा दी है।उल्लेखनीय है कि 21 अप्रैल को वीरेंद्र राम, उनके भाई आलोक रंजन, वीरेंद्र राम की पत्नी राजकुमारी देवी एवं पिता गेंदा राम के खिलाफ ईडी की अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया था। ईडी की टीम ने वीरेंद्र राम की 39.28 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति जब्त की है। बताया गया है कि जब्त संपत्ति वीरेंद्र द्वारा टेंडर में कमीशन से उगाही कर अर्जित की गई है। 22 फरवरी को वीरेंद्र राम को ईडी ने गिरफ्तार किया था।

नेशनल शूटर तारा शाहदेव प्रकरण: रिलायंस कम्युनिकेशन की अधिकारी ने दी गवाही

रांची। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में नेशनल राइफल शूटर तारा शाहदेव मामले में मुख्य आरोपित रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल की ओर से बनाए गए गवाह रिलायंस कम्युनिकेशन के ईस्टर्न जोन की नोडल ऑफिसर मधुमिता गुप्ता की गवाही हुई।

शुक्रवार को सीबीआई कोर्ट में पूरी हो गई। इसके साथ बचाव साक्ष्य बंद कर दिया गया। अब 10 जुलाई से सीबीआई अंतिम बहस करेगी। रंजीत कोहली की ओर से तारा शाहदेव के पिता अंबिका नाथ शहदेव के मोबाइल नंबर दिया गया था, जिसका कॉल डिटेल रिपोर्ट (सीडीआर) रिलायंस कम्यूनिकेशंस से मांगा गया था। शुक्रवार गवाही के दौरान तारा के पिता के मोबाइल के सीडीआर को एग्जामिन किया गया, साथी से प्रूफ किया गया। मामले में पिछली गवाही एयरटेल के अधिकारी ने दी थी।

इससे पूर्व रंजीत कोहली की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भी गवाह बनाया गया था। पिछली सुनवाई में मुख्यमंत्री के अधिकृत व्यक्ति मुस्ताक आलम ने गवाही दी थी। मामले में मुख्य आरोपित रंजीत सिंह कोहली उर्फ रकीबुल के अलावा हाई कोर्ट के बर्खास्त पूर्व रजिस्ट्रार मुश्ताक अहमद और कोहली की मां कौशल रानी ट्रायल फेस कर रहे है। रंजीत कोहली और तारा शाहदेव की शादी सात जुलाई 2014 को हुई थी।

शादी के बाद ही मारपीट एवं उत्पीड़न की घटनाएं होने लगी थी।

सीबीआई ने हाई कोर्ट के आदेश पर 2015 में केस टेक ओवर किया था। लेकिन शादी के कुछ माह बाद उसे धर्म परिवर्तन करने प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोपितों के खिलाफ दो जुलाई 2018 को आरोप गठित किया गया था। सीबीआई ने 22 मई 2017 को रंजीत सिंह कोहली सहित तीनों के खिलाफ चाजर्शीट दाखिल की थी।

वंदे भारत एक्सप्रेस में 10 स्कूली बच्चों को मुफ्त में सफर करने का मिलेगा मौका

रांची। रांची-पटना वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरूआत 27 जून को होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वंदे भारत ट्रेन का वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये ऑनलाइन उद्घाटन करेंगे। उद्घाटन के दौरान चयनित 10 स्कूली बच्चों को फ्री में रांची से सफर कराने की योजना है। बच्चों को सफर कहां तक कराया जायेगा इस विषय में अभी कोई योजना नहीं बनी है।

रांची रेल मंडल के मुताबिक इस संबंध में रेलवे बोर्ड को पत्र भेजा गया है। दक्षिण पूर्व रेलवे या रेलवे बोर्ड से अनुमति के बाद ही इस पर निर्णय लिया जायेगा। इस संबंध में अभी सिर्फ रांची रेलवे मंडल की योजना है। रेल मंडल की ओर से स्कूलों को चिट्ठी दी गयी है, जिसमें बच्चों के चयन की जानकारी दी गयी है लेकिन बोर्ड से अनुमति के बाद ही इस पर मुहर लगेगी। ट्रेन पटना से हटिया तक चलेगी। रेलवे इस रूट पर दो बार ट्रायल भी कर चुका है। 27 जून को उद्घाटन के दिन रांची जंक्शन पर दिन के 11 बजे इस ट्रेन को पटना के लिए रवाना किया जायेगा।

हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा, अदालतों में दिव्यांगों की सुविधा के लिए क्या है प्लान

रांची

झारखंड हाई कोर्ट में शुक्रवार को राज्य के सभी सिविल कोर्ट, कंज्यूमर फोरम सहित अन्य ज्यूडिशियल फोरम में दिव्यांगों के लिए सुविधा मुहैया कराने को लेकर पीपुल यूनियन फॉर सिविल लिबर्टी की ओर से दाखिल जनहित याचिका की सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा है कि राज्य के सिविल कोर्ट में दिव्यांगों को सुविधा मुहैया कराने के लिए क्या प्लान है। अदालतों को दिव्यांगों के लिए फ्रेंडली माहौल कैसे बनाया जा सकता है। कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश देते हुए मामले की सुनवाई 11 अगस्त निर्धारित की है।याचिकाकर्ता की ओर से जनहित याचिका दायर कर कहा गया है कि राज्य के सभी सिविल कोर्ट ,कंज्यूमर फोरम आदि जगहों में दिव्यांगों के लिए व्हीलचेयर, लिफ्ट, रैंप, विशेष स्टाइल की टॉयलेट की व्यवस्था होनी चाहिएए जिससे उन्हें अदालती कार्यों से सिविल कोर्ट या कंज्यूमर फोरम आदि जगहों पर आने पर किसी तरह की परेशानी का सामना ना करना पड़े।

जैविक खेती को बढ़ावा दें, मत्स्य पालन को गांव गांव ले जायें : मनीष कुमार, उप विकास आयुक्त

जमशेदपुर।

उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम के निर्देशानुसार उप विकास आयुक्त श्री मनीष कुमार ने समाहरणालय सभागार में आहूत बैठक में कृषि, सहकारिता, मत्स्य, उद्यान व पशुपालन विभागीय योजनाओ में प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए । बैठक में धान बीज वितरण, केसीसी, कृषि ऋण माफी, ई केवाईसी, पशुधन वितरण तथा क्रियाशील लैंपस की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए किसानों पशुपालकों को सशक्त बनाना जरूरी है। उन्होने पशुधन वितरण में धीमी प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया । योजनाओं का व्यापक प्रसार प्रसार करने तथा इसका लाभ लेने के लिए संभावित लाभुकों को प्रेरित करने की बात कही। धान बीज वितरण में अगले एक सप्ताह में शत प्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति का निर्देश दिया गया । जिले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए किसानों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशाला आयोजित कराये जाने का निर्देश दिया।

उप विकास आयुक्त ने कहा कि कृषि एवं संबद्ध विभागीय योजनायें ग्रामीण क्षेत्रों में निवास कर रहे लोगों के आजीविका संवर्धन में काफी उपयोगी साबित हो सकती हैं। उन्होने मत्स्य पालन से ज्यादा से ज्यादा लोगों को जोड़ने तथा गांव-गांव मत्स्य विभागीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार कराये जाने का निर्देश दिया । साथ ही जिला स्तर पर आगामी दिनों में एक कंट्रोल रूम बनाये जाने की भी बात कही जिसमें कृषि, सहकारिता, मत्स्य, उद्यान व पशुपालन विभाग के पदाधिकारियों/कर्मियों को एक प्लेटफॉर्म पर बैठाते हुए जिलेवासियों की समस्या का समाधान फोन के माध्यम से किया जा सकेगा तथा विभागीय योजनाओं की भी जानकारी आम जनता तक पहुंचाई जाएगी ।

बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी श्री मिथिलेश कालिंदी, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्री विजय प्रताप तिर्की, सहायक निबंधक सहकारी समिति श्री वेद प्रकाश, सभी प्र-खंडों के सहकारिता पदाधिकारी, प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी, प्रखंड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी, एटीएम, बीटीएम व अन्य विभागीय पदाधिकारी तथा कर्मी उपस्थित थे।

Adipurush: An intellectual short circuit

Professor M.C.Behera

Jharkhand Dekho desk: Doctors differ. It is an adage that points to diversity of opinions of large number of people in the same group. A contemporary interpretation may be made in a lighter vein to understand current situation in our country. Perhaps the adage was constructed when doctors were undifferentiated, meaning there were no specialisation and sub-specialisation categories. Nevertheless, they had different opinions on a disease for which this adage might have taken birth to be applied to situation of diverse opinions on an issue by different people dealing with it. In our contemporary time, doctors are not only many in numbers, but they belong to an equal numbers of specialisation and sub-specialisation categories. It is a known fact that doctors of the same specialisation may not have same opinion about a disease. At the same time, doctors may have influence of their hidden interest in forming an opinion. The result is a situation of utter confusion. No doubt, a doctor or a group of doctors pick of the chosen thread for their purpose. But the confusion has the potency of group conflict or in-fighting which often happens without reaching at genuine conclusion in a normal course. The adage can be restructured as doctors differ, confuse and set stage for in-fighting at the loss of the patient.

The above remark can be useful to understand the critical situation of every front our country passes through. Gone are the days when one idea had a counter idea. Now every idea has several cognate ideas, and at least equal number of counter ideas. Confusion, conflict, protest, violence, etc. characterise our national obsession in these days. Ideas come from any source. However, films, advertisements, etc. are popular and dominant sources. Words carrying ideas and originated from such sources are put into mouth and mind which invariably incite actions, reactions and counter actions.

As we know, two minds rarely agree upon an issue. What will be the state of consensus when minds are more than crores? Yes, it is about India with cultural, intellectual and ideological diversities. Even in a cultural or intellectual sphere people show different capabilities and levels of understanding. Further, age groups also have such differences. India, therefore, has emerged as a country of diverse opinions. Democracy celebrates differences, but has not been effectively successful to prevent emerging difference in persons (conflict) due to difference in opinions. Nobody bothers desirability of an opinion, but everybody gives opinion and tries to prove that the stand is right. The result is confusion and conflict. Evolution of intellectuality has been a source of diverse opinions. Intellectuality feeds cinema and advertisement and in turn feeds on them. Intellectual circuit often causes short circuit and damage its own path. Intellectuality, difference, confusion and conflict unfortunately keep the nation engaged over its goals of social harmony, cooperation, eradication of poverty and social evils. Even issue of national sovereignty or interest takes a back seat when intellectual and ideological confrontations ensue.

Intellectuality is a sign of progress, because behind every material success there is a mind. Problem arises when intellectuality does not know its limit, desirability, and acceptability, ethical bound and impact on society. Cinema with

its intellectual input impacts mind to an extent of addicting it. A few examples can be useful here. Mother goddess Santoshi Maa did not have any place in Hindu pantheon before 1950s. Even authoritative Hindu scriptures do not make mention of it. Though it is a matter of investigation how it was introduced, it is undeniably a fact that the worship tradition and her connection with Lord Ganesh's parentage became popular through Jai Santoshi Maa film in 1975. It is the cinema or serials that has been upgrading the status of Siridi Sai to godhood in a progressive manner. In 1960s dialogues like Allah Malik and rarely Dattatreya Malik was popular, which became Sabka Malik Ek Hai in 1972 and after 2000 Om Sai Ram has become the mantra and Ramji Bhala Kare and Allah Malik are other mind capturing and perception building words. In serials he is shown as revealing to devotees as Rama, Krishna, Dattatreya, etc. In other words, he is projected as the Supreme Brahma. A large number of devotees have taken him so in these years. Unfortunately, he could not show this divinity to Kulakarni, the Zamindar to bring him to right path!

Visual presentation builds up an image in mind and develops perception and personality. Young minds and common masses do not know the essence of religion and traditional values. They build up a perception at the periphery either from the community or from elementary books. They are easy target of imbibing a false notion by misrepresentation; it is easy to capture common and young peoples' mind who do not engage themselves intellectually like the way colonial administration capture the mind of colonised. When own tradition, belief and life-ways are projected in a wrong way, alien ideology and life-ways become attractive. This strategy is at the core of shifting people to alien ideology.

The audience, who watched Adipurush, did not show negative reaction as the characters of Ramayan and plot remained the same. They were not aware of the subtlety of intellectual deviations. But those who understood it objected to the dialogue, costumes, and the way characters were presented. The message of misrepresentation and deviation from the core was well received by the people who value the Ramayana and the characters in it as a part of their belief system. This resulted in subsequent drop of visit to theatres. Intellectuality with a commercial motive, ideological distortion, political intention and fundamentalist outlook misdirects believers' perception, and thus strikes at the very foundation of a society. It is fundamentalist tendency that invariably tries to prove other ideologies wrong.

Intellectual engagement by itself propels evolution of human cognition. It is necessary and essential for human progress mentally and materially as behind every matter there is mental. It is not that Adipurush is the only one intellectual presentation of the Ramayana. There are several serials and films such as Ramayana, Ramleela, Siya Ke Ram, Ram Siya Ke Luv Kush, Jai Hanuman, Sankat Mochan Mahavali Hanuman and many others. But these did not noticeably deviate from what is in people's perception. Intellectuality that conforms to people's perception is not rejected or protested. Even the one that advocates difference but does not hurt the core values and project something in abstract are accepted as sign of progress at least by majority. Even when people also do not understand intellectual abstractions still then they do not negatively react and protest if it does not hurt their feelings and beliefs. An incomprehensible gap and injury of feelings make an intellectual engagement poisonous for the mass. It questions democratic values of such engagement as sentiment of the mass is not respected. It challenges everything that people hold dear to themselves.

People do not see Maa Kali smoking cigarette and holding the Pride flag as was presented by Manimekalai a few years ago. Her intellectuality constructs the theme of celebrating life and embracing love by portraying the 'goddess of free spirit'. Do people see her in that way? Why to impose an individual idea on the mass that hurts their feelings? Inanity of intellectuality is an alarming evident when Manoj Muntashir justifies presentation of Hanuman in Adipurush as he thought to be right. He claims Hanuman as a devotee, not as god, for the latter's conversion does carry philosophical expression like that of Sri Rama. What a logic? We know from scriptures that Lord Shiva is a devotee of Sri Ram and vice versa. Are not they gods? Does it further mean that philosophers' are gods? By this logic philosophers like Immanuel Kant, Bertrand Russell, François-Marie Arouet (Voltaire), Jean-Jacques Rousseau, Friedrich Nietzsche, Jean-Paul Sartre, Aristotle, and several others are gods! But people do not see the things in that way. Hanuman has an individual status, a proprietor of desirable qualities of supreme consciousness and representation of the idea of devotional service in the Ramayana. When the Ramayana presents Rama as god, it has given a spiritual identity to Hanuman. It is sheer madness to judge his spirituality by applying temporal wisdom.

In spiritual world, there are different devotional ways to reach the Supreme Being. Das bhav (devotion like a servant) is one way which is epitomised by Hanuman. If 'das' of the spiritual world is understood in terms of temporal wisdom, then short circuit intellectuality of film world, no wonder, may dare one day to present Hanuman as slave!

Iniquitous intellectuality has no trough; it can slide into any abysmal depth. This reflects in Adipurush. In Hindu tradition Lord Shiva is Adipurush. Sometimes Lord Brahma being the first creator of the Supreme Being is known as Adipurush, i.e. the first or original man. Projecting Sri Ram as Adipurush, the film denounces the scriptural wisdom of Hindu tradition. Adi is a homonym, meaning original and superior; any meaning of a homonym may not be a proper presentation of an idea, person or phenomenon. An original person may not be superior or best. There are several societies in which the first human being is presented as a trickster; he does not conform to the idea of 'virtues' held by the society. In Hindu tradition the idea of 'original' is clearly established. By creating an alternative to 'original' using one of the meanings of a homonym, one simply denounces the traditional wisdom in the belief system of the mass. A homonym has a symbolic significance in a particular meaning; but for this particular meaning other meanings of it may not be perfect substitutes. Bark used in the context of a tree and for the sound of a dog do not convey same meaning.

Intellectual representation or retelling does not invite repercussion as long as originality is not distorted. In creation myth of Abrahamic religions like Christianity, Adam and Eve are first human beings. There are intellectual discourses on the myth, like a feminist perspective, without distorting its originality. Yukteswar Giri, the teacher of Swami Yogananada, interprets the phenomenon in terms of Kundalini power. Manimekalai did not re-interpret Kali as it is, but distorted the image to suit her contemplated individual interpretation. This is what has happened in case of Adipurush and the reason of inviting protests. Other films on the theme of the Ramayana, as has been mentioned earlier, did not invite protests because they did not transgress the boundary.

Interpretation and re-interpretation within the realm to which a phenomenon belongs is not new. Intellectual presentation of the Ramayana is evident in Tulsidas's Ramacharitmanas and Sikh people's Guru Granth Sahib. In Guru Granth Sahib, the episode is cited as an embodied intellectuality for spiritual realisation. Rama, Sita, Laksman, Lanka and Ravan are representations of soul, intellect, mind, body and ego respectively. Tulsidas following Saguna School of thought retold the Valmik Ramayana giving a devotional fervour. Spirituality is represented in socio-cultural context of the time without distorting originality of the text. Native Ramayanas all over the country are retellings of the original text to suit to the context. No doubt, we have Ramayanas of Bhils, Wayanad tribes, Karbis and other communities, and there are also regional Ramayanas without drawing any bickering from the believers of the Valmiki Ramayana. The versions are adoptions to local contexts without any intentional distortions, for they do not contradict people's cultural worldview.

India is a vast country and naturally opinions would vary vastly at intellectual level. As long as intellectuality accords more or less to existing belief system, it does not create bickering. Intellectuality in other fields does not bother common people. That is what we see from Western tradition. Western intellectuals do not denounce, but critique, the belief system or a phenomenon within the limit of rationality. That is why we do not have sacrilegious intellectuality in Christianity and Islam as we have in Hinduism. This is so because in India individual contemplation of conformity, non-conformity or a short circuit is given an intellectual tag. Any tag has a support base because of vastness of the country's diversity. There arises confusion and confrontation. Adipurush is an example. .

(Rajiv Gandhi University, Rono Hills, Doimukh, Itanagar ,Papum Pare District, Arunachal Pradesh-791112, Email: mcbehera1959@gmail.com;Th views expressed by the author are his own and in no way the Editor be held responsible for the them—Editor.)

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी सिर्फ नाम ही नहीं यह एक विचारधारा है जो हर नागरिक को देश की एकता और अखंडता के भाव से काम करने की प्रेरणा देता है: रघुवर दास

रांची।

हरमू स्थित नगर निगम पार्क में डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सांसद संजय सेठ के सांसद कोष से आदम कद प्रतिमा लगाई गई आज उनके बलिदान दिवस पर इस प्रतिभा का अनावरण किया गया इस अवसर पर झारखंड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा यह प्रतिमा ना सिर्फ भाजपा कार्यकर्ता बल्कि हर नागरिक को देश की एकता और अखंडता के लिए समर्पित भाव से काम करने की प्रेरणा देता है।

रघुवर दास ने कहा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने मां भारती की सेवा के लिए अपना जीवन समर्पित किया देश हित में अनेक कार्य किए जिसे भुलाया नहीं जा सकता हम सभी को उनके जीवन तथा कार्य से प्रेरणा लेनी चाहिए और यह संकल्प लेना चाहिए कि स्वहित से बड़ा देश हित होता है डॉ मुखर्जी ने सन 1951 में जनसंघ की स्थापना की और दो निशान दो विधान और दो संविधान का खुला विरोध किया काश्मीर की समस्याओं को लेकर बड़े संघर्ष की शुरुआत की मां भारती की सेवा में अपना जीवन बलिदान किया डॉ मुखर्जी देश के सच्चे सपूत थे इसी विचारधारा को आगे बढ़ाते हुए देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने काश्मीर से धारा 370 हटाकर डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों को साकार किया।

आज के इस अवसर पर मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश प्रदेश के प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेई क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र नाथ त्रिपाठी प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह राष्ट्रीय मंत्री आशा लकड़ा प्रदेश मंत्री सुबोद सिंह गुड्डू राज्यसभा सांसद समीर उरांव विधायक सीपी सिंह नवीन जयसवाल समरी लाल गणेश मिश्रा के के गुप्ता वरुण साहू संजय जयसवाल सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे

विकास तीर्थ कार्यक्रम के तहत आज पंडरा मंडल के अंतर्गत हेहल स्थिति सिपेट संस्था का भ्रमण पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास सांसद संजय सेठ विधायक नवीन जयसवाल के द्वारा किया गया वहां पढ़ रहे बच्चों से सभी नेताओं ने संबाद किया और उनके अनुभव को जाना वहां के प्रबंधन के द्वारा बच्चों को दिए जा रहे प्रशिक्षण के बारे में भी जानकारी प्राप्त की

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बनहोरा में निर्मित आवास परिसर में विकास तीर्थ के तहत यहां के परिवार से संबाद स्थापित किया इस अवसर पर और मुख्यमंत्री रघुवर दास सांसद संजय सेठ गणेश मिश्रा विशेष रुप से उपस्थित थे सांसद संजय सेठ ने मोदी सरकार की उपलब्धियों के बारे में वहां के लोगों को बताया सांसद सेठ ने कहा देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीब कल्याण के लिए कई काम किए जा रहे हैं जिसके तहद गरीब कल्याण योजना के तहत गरीबों को मुफ्त में गेहूं चावल का वितरण किया जा रहा है उज्जवला योजना के तहत गरीब परिवारो को मुफ्त में सिलेंडर का वितरण किया जा रहा है आयुष्मान कार्ड के तहत हर परिवार को 5लाख तक मुफ्त में इलाज किया जा रहा है हर गरीब परिवार को पक्का मकान शौचालय जन-धन खाता हर घर नल ऐसे कई कल्याणकारी योजना चल रही है

पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास व सांसद संजय सेठ के द्वारा रातू रोड स्थित निर्मित एलिबेटेड निरीक्षण ×फ्लाईओवर का निरक्षण किया मौके पर ठलअक के अधिकारी मौजूद थे ।

इस अवसर पर महानगर के अध्यक्ष केके गुप्ता महामंत्री वरुण साहू संजय जयसवाल सुबेश पांडे मिथिलेश केसरी राजकुमार साहू अशोक मुंडा अशोक यादव अभय साहू प्रदीप सिंह विनोद वर्मा मुकेश नाग प्रज्ञा मनी सोनू श्रीवास्तव अंबालिका तिवारी माला कुमारी रवि मेहता आलोक सिंह परमार सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे

टाइटन में सवार लोगों के शव मिलना मुश्किल:पनडुब्बी के ट्रायल की तस्वीरों में दिख रहा कितनी गहराई में उतरते थे कंपनी के CEO

अटलांटिक महासागर में 12500 फीट में डूबे टाइटनिक जहाज के मलबे को देखने के लिए गए टाइटन पनडुब्बी में सवार 5 लोगों की मौत हो गई है। रोबोट ऑपरेटिंग व्हीकल (ROV) को पनडुब्बी का मलबा टाइटैनिक जहाज के मलबे से 1600 फीट की दूरी पर मिला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें मौजूद लोगों का शव मिलना भी काफी मुश्किल होगा।ये इतनी गहराई में है कि जहां किसी इंसान का जाना तो दूर बल्कि सर्च ऑपरेशन चलाना भी काफी चुनौती भरा काम है। अमेरिका के एडमिरल मोगर ने बताया कि समुद्र में जहां पनडुब्बी का मलबा मिला है वहां का वातावरण काफी खतरों से भरा है। अमेरिका की नौसेना ने बताया है कि उन्हें पनडुब्बी के विस्फोट की आवाज रविवार को ही आ गई थी। इसके बावजूद उन्होंने सर्च ऑपरेशन जारी रखा। वो लोगों को बचाने की हर मुमकिन कोशिश करना चाहते थे।

दबाव से पनडुब्बी में सवार लोगों के चिथड़े उड़ गए होंगे

फ्टश को मलबे के जो 5 हिस्से मिले हैं, उनमें एक टेल, कोन और प्रेशर हल के 2 सेक्शन शामिल हैं। इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक समुद्र की गहराई में किसी भी तरह की गलती भारी साबित हो सकती है।

अगर पनडुब्बी में प्रेशर मैनेज करने के लिए लगे हल के एक हिस्से में भी खराबी आ जाती है तो पनडुब्बी में पानी भरने लगता है। इससे पनडुब्बी में प्रेशर इतना ज्यादा बनेगा कि कुछ मिलीसेकेंड में वो फट जाएगी। अनुमान लगाया जा रहा है कि टाइटन पनडुब्बी के साथ भी ऐसा ही हुआ होगा।

» टाइटन की ट्रायल की तस्वीरों में दिख रहा कितनी गहराई में उतरती थी पनडुब्बी

तस्वीर 2018 की है जब टाइटन पनडुब्बी के ट्रायल के लिए ओशेनगेट कंपनी के उएड बहामास में समुद्र की गहराई में उतरे थे।

तस्वीर 2018 की है जब टाइटन पनडुब्बी के ट्रायल के लिए ओशेनगेट कंपनी के उएड बहामास में समुद्र की गहराई में उतरे थे।

ट्रायल के दौरान समुद्र में उतरी टाइटन पनडुब्बी को देखा जा सकता है।

ट्रायल के दौरान समुद्र में उतरी टाइटन पनडुब्बी को देखा जा सकता है।

ट्रायल के दौरान पानी में उतरने से पहले प्लेटफॉर्म पर खड़ी टाइटन पनडुब्बी।

ट्रायल के दौरान पानी में उतरने से पहले प्लेटफॉर्म पर खड़ी टाइटन पनडुब्बी।

पनडुब्बी से जुड़े खतरों की जानकारी देने वाले को कंपनी ने निकाला था

उइर की रिपोर्ट के मुताबिक 2018 में कंपनी ने एक कर्मचारी को निकाल दिया था। इसकी वजह ये थी कि उसने पनडुब्बी से जुड़े खतरों की शिकायत प्रशासन को कर दी थी। उस पर जुर्माना भी लगाया गया था।

15 अगस्त 2018 को उसने कोर्ट में एक केस दर्ज किया था। इसमें कहा था कि पनडुब्बी 1300 मीटर की गहराई के दाब का झेलने के लिए बनी है, जबकि ओशन गेट उसे 4000 मीटर तक की गहराई में भेज रहा है। टाइटैनिक के मलबे के पास जहां पनडुब्बी का मलबा मिला है वो जगह बेहद खतरनाक मानी जाती है।

उसे मिडनाइट जोन कहा जाता है क्योंकि वहां अंधेरा रहता है।मिडनाइट जोन में सूरज की रोशनी नहीं पहुंच पाती और वहां कंपा देने वाली ठंड होती है। पानी के तेज बहाव के कारण यहां खतरनाक करंट भी बनता है। हालांकि 2021 से 2022 के बीच 46 लोग टाइटन पनडुब्बी में बैठकर टाइटेनिक का मलबा देखकर आ चुके हैं।

मार्ग-दर्शन

सुरेंद्रनाथ बनर्जी की राष्ट्रभक्ति

बंगाल के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी थे सुरेंद्रनाथ बनर्जी। भारतीय स्वाधीनता संग्राम में उनका अप्रतिम योगदान है। अपने देश के प्रति बनर्जी महाशय पूर्णत: समर्पित थे। हालांकि वे गृहस्थ थे, किंतु जब भी चुनने का अवसर आता तो वे राष्ट्र कार्य को परिवार पर वरीयता देते थे। एक बार कोलकाता में किसी स्थान पर एक बड़ी राजनीतिक सभा का आयोजन किया गया। देशभर के महत्वपूर्ण नेता कोलकाता पहुंच चुके थे। स्वतंत्रता आंदोलन संबंधी महत्वपूर्ण घोषणा करनी थी। जनता को एक बड़े आंदोलन के लिए तैयार करना था। इस सभा में बनर्जी महाशय को भी संबोधित करने के लिए आमंत्रण मिल चुका था। कहना न होगा कि उन्होंने बड़े उत्साह से यह आमंत्रण स्वीकार किया। उनकी वाणी में उनके कर्म का ओज उमड़ आता था। इसलिए उनके आह्वान को जनता से जबर्दस्त प्रतिसाद मिलता था। फिर नए आंदोलन की तैयारी के लिए उनके जैसा वक्ता होना जरूरी था। दुर्भाग्य से जिस दिन शाम को यह सभा होनी थी, उसी दिन सुबह बनर्जी महाशय के पुत्र का आकस्मिक निधन हो गया। सभी ने सोचा कि अब बनर्जी महाशय सभा में नहीं आ पाएंगे, क्योंकि वे पुत्र शोक में डूबे होंगे। वैसे भी अपने सामने अपनी संतान की मृत्यु देखना माता-पिता के लिए सबसे बड़ा मानसिक आघात होता है, किंतु जब सायंकाल सभा आरंभ हुई तो उपस्थित लोग यह देखकर हैरान रह गए कि बनर्जी महाशय ठीक समय पर वहां आ गए। उनका चेहरा सर्वथा शांत लग रहा था और उन्होंने सभा को इस तरह से संबोधित किया, मानो उनके जीवन में कुछ भी न घटा हो। उनकी सहजता और राष्ट्र प्रेम देख सभी के मस्तक श्रद्धा से झुक गए। राष्ट्रहित को अपने व्यक्तिगत सुख-दुख से ऊपर रखने वाले सच्चे देशभक्त होते हैं और राष्ट्र के विकास में यही लोग अहम भूमिका निभाते है।

जीने की राह

दिल की जरूरत है मानवीय रिश्ते

आजकल लोग मजा बहुत ढूंढ़ते हैं। कोई भी काम करते हैं तो सोचते हैं कि मजा आया कि नहीं आया। किसी भी काम की खुशी उस काम से ज्यादा आपके महसूस करने में है। आज मौज-मस्ती के लिए तरह-तरह के साधन व तरीके खोज लिए गए हैं। फिर भी उदासी के थप्पड़ पड़ते ही रहते हैं। एक बहुत सहज तरीका है मजे उड़ाने का। आप किसी भी उम्र के हों, यदि आपके माता-पिता जीवित हैं तो उनके सामने बच्चे ही बने रहें। एक अलग तरीके का मजा आएगा। उम्र का बैरियर मिटा दें। जब तक वे मौजूद हैं, उनके बच्चे बने रहिए, लेकिन यह बहुत सरल नहीं है। इसमें नाटकीयता के लिए कोई जगह नहीं है, क्योंकि इसमें आपको उनकी देखभाल भी करनी है। पूरी सहनशक्ति से उनकी वृद्धावस्था को बर्दाश्त भी करना है। वे आपके लिए कई बार मुश्किल भी खड़ी कर सकते हैं। आपके घर में बड़े-बूढ़ों को उम्र की मजबूरी के कारण पूजा-पाठ करने में बाधा आने लगे तो उनके साथ बैठकर ध्यान करिए। उनसे कहिए वे आंख बंद करके गहरी सांस लें और छोड़ें। उन्हें उनके मस्तिष्क से काटिए और हृदय से जोड़ दीजिए। जब आप और वे दोनों ही अपने-अपने हृदय से जुड़ेंगे,आपको बच्चा बनने में सरलता होगी और उन्हें पुराने दिन याद आने पर एक अलग ही अनुभूति होगी। जीवन अनेक किस्म के प्रयोग मांगता है। आज के मशीनी युग ने सबसे अधिक प्रहार जीवन पर ही किया है। दिमाग की जरूरत मशीन है और दिल की जरूरत रिश्ते हैं। इस तरीके से भी इसे निभाया जा सकता है।

अपनी सुरक्षा अपने हाथ, यही एक रास्ता, पीएम मोदी के अमेरिका दौरे में सबसे अहम है ये डील

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिकी दौरे की सबसे बड़ी बात अमेरिका से प्रतिरक्षा के क्षेत्र में होने जा रहे कुछ सौदे हैं। इनमें एक सौदा 31 एमक्यू-9 बी प्रिडेटर ड्रोन्स का है। इस कैटिगरी के मानवरहित मिसाइलधारी ड्रोन रूस-यूक्रेन युद्ध के साथ ही सभी सेनाओं के लिए जरूरी समझे जाने लगे हैं। अमेरिकी प्रिडेटर अभी दुनिया भर की ड्रोन टेक्नॉलजी में टॉप पर है। लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण सौदा जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के फाइटर जेट इंजन जीई-414 का है। इसके भारत में निर्माण के अलावा टेक्नॉलजी ट्रांसफर पर भी सहमति बनने के आसार हैं। भारत के स्वनिर्मित लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट(एलसीए) तेजस को ट्रेनर एयरक्राफ्ट के रूप में बाहर काफी प्रतिष्ठा मिली है। लेकिन इसके दूसरे संस्करण एलसीए तेजस मार्क-2 के लिए जितने मजबूत इंजन की जरूरत है, वह अभी हम डिवेलप नहीं कर पाए हैं। उम्मीद है कि जीई-414 इंजनों के बल पर अब से पांच साल बाद, सन 2028 में चौथी पीढ़ी के इस स्वदेशी युद्धक विमान को भारतीय सेना में शामिल करने का सपना साकार किया जा सकेगा।

सौदे में हुई देर

आत्मनिर्भरता के नजरिए से इस कदम को लेकर कई सारे सवाल भी उठ रहे हैं।

-एक तो यही कि यह सौदा 13 साल की देरी से आकार ले रहा है। सन 2010 में इस बारे में सारी बातें हो चुकी थीं और 2013 में अमेरिकी इंजनों को तेजस में लगाने का काम पूरा कर लिया जाना था। ऐन मौके पर टेक्नॉलजी ट्रांसफर के मुद्दे पर बनी हुई बात बिगड़ गई।

-अभी जब पूरी दुनिया पांचवीं पीढ़ी के युद्धक विमानों की तैयारी में जुटी हुई है और अमेरिकी एफ-22, एफ-35 और चीनी जे-20 के रूप में ऐसे विमान 2020 से ही चलन में आ चुके हैं, तब चौथी पीढ़ी के युद्धक विमान वाली इंजन टेक्नॉलजी हमें मिल जाए तो भी अगली पीढ़ी के विमानों के लिए हमारी भागदौड़ ऐसी ही बनी रहेगी।

-शक्तिशाली इंजन बनाने की हमारी कावेरी परियोजना आगे बढ़ रही है, लेकिन एक तो हमारी शुरुआत पीछे से हुई है, दूसरे जो देश इंजन बनाने के काम में पहले से आगे हैं, उनकी रफ्तार हमसे काफी तेज है।

-चीनियों ने पांचवीं पीढ़ी का युद्धक विमान बना लिया और इस मामले में उस रूस को भी पीछे छोड़ दिया, जिसके इंजनों के बल पर उन्होंने इस क्षेत्र में अपने शुरुआती कदम रखे थे। पहले दिन से ही उनकी योजना रूसियों से ऊंची कोटि का इंजन बनाने की थी और 2015 आते-आते वे इसमें कामयाब हो गए। हमारे लिए असल अफसोस की बात यह है कि ऐसा कोई लक्ष्य आज भी हमारे अजेंडा पर नहीं है।

भारत की नई डिफेंस प्रोक्योरमेंट पॉलिसी के दो सूत्र वाक्य बताए गए हैं। एक है 'मेक इन इंडिया' पर जोर, दूसरा आत्मनिर्भरता। ये दोनों बातें देखने में एक जैसी ही लगती हैं, लेकिन इनमें एक बुनियादी फर्क है। 'मेक इन इंडिया' का अर्थ चीजों को भारत में बनाने तक सीमित है, जो डिफेंस के ज्यादा बारीक मामलों में किसी विदेशी कंपनी की ओर से शत-प्रतिशत मालिकाने के साथ यहां अपनी मैन्युफैक्चरिंग शाखा खोलने का भी हो सकता है। भारत के कुछ बड़े औद्योगिक घराने अभी विकसित देशों की हथियार कंपनियों के साथ मिलकर लगभग बराबर की साझेदारी में पनडुब्बी, युद्धपोत और युद्धक विमान बनाने के रास्ते पर बढ़ रहे हैं। जीई-414 इंजन बनाने के लिए एचएएल की साझेदारी भी इसी का दूसरा रूप है। लेकिन क्या इसे आत्मनिर्भरता माना जा सकता है? ऐसा कहने में हिचक होती है। वजहें भी हैं।

-डीआरडीओ जैसे जो भारतीय संगठन वाकई डिफेंस टेक्नॉलजी में आत्मनिर्भरता लाने के लिए काम करते रहे हैं, ऑर्डरबुक छोटी होते जाने के कारण आने वाले दिनों में उनका टिके रहना भी मुश्किल होता जाएगा।

-इस मामले में सबसे ज्यादा गौर करने लायक क्षेत्र मिसाइलों का है, विश्व बाजार में जिनकी खरीद-फरोख्त भी एक स्तर के बाद नामुमकिन समझी जाती है। अग्नि, पृथ्वी, नाग वगैरह मिसाइलें बड़ी मशक्कत से भारत में अपने दम पर विकसित की गईं, हालांकि यह रोज बदलने वाला क्षेत्र है।

अमेरिकी प्रिडेटर अभी दुनिया भर की ड्रोन टेक्नॉलजी में टॉप पर है। लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण सौदा जनरल इलेक्ट्रिक कंपनी के फाइटर जेट इंजन जीई-414 का है। इसके भारत में निर्माण के अलावा टेक्नॉलजी ट्रांसफर पर भी सहमति बनने के आसार हैं।

इनमें अग्नि के कुछ संस्करणों की भूमिका मध्यम और लंबी दूरी की मिसाइल वाली है और इनमें परमाणु हथियार ले जाने की क्षमता भी मौजूद है। लेकिन गैर-एटमी, कन्वेंशनल लड़ाइयों में भारत के लिए गर्व करने लायक अकेली चीज चौथी पीढ़ी की सुपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल ही है, जिसे रूस से न सिर्फ निर्माण का बल्कि तकनीकी विकास का भी साझा बनाकर भारत के पब्लिक सेक्टर में ही तैयार किया जा रहा है और जिसका दुनिया में कुछ खौफ भी है। विदेश से तकनीकी साझेदारी के बावजूद यह वास्तविक अर्थों में एक आत्मनिर्भर उपाय है। स्वदेशी युद्धक विमानों के लिए इंजन हम कहीं से भी लें और इनका टेक्नॉलजी ट्रांसफर भी करा लें, लेकिन हमारे बनाए फाइटर जेट इस लायक होने चाहिए कि उनसे ब्रह्मोस मिसाइलें छोड़ी जा सकें। अमेरिका से सौदे में साफ दर्ज हो कि इसे लेकर वह एतराज नहीं कर सकता।

डिफेंस का बदलता ग्रैमर

एक बात तय है कि अमेरिका से या किसी और देश से कोई रक्षा सौदा चाहे कितना भी अच्छा क्यों न हो, इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए हमें खुद ही काम करना होगा। रूस के साथ मिसाइल टेक्नॉलजी और दोहरी संभावना वाले परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में हमारा अलग तरह का रिश्ता रहा है, लेकिन आगे भी यह ऐसा ही बना रहेगा, कहना मुश्किल है। पूरी दुनिया में डिफेंस का ग्रैमर बदल रहा है। डिफेंस टेक्नॉलजी हमें चाहे जिस भी शक्ल में, जहां से भी मिले, वह कम से कम 20 साल, यानी अभी की रफ्तार से कोई दो पीढ़ी पुरानी होगी। हमें ऐसे रक्षा विशेषज्ञों की जरूरत है जो हथियार कंपनियों के सामने भविष्य की जरूरतों के हिसाब से उपकरणों का खाका पेश करें, और उन्हें मजबूर करें कि बाहर से ज्यों की त्यों टेक्नॉलजी इंपोर्ट करने के बजाय वे भारत में ही नए रिसर्च और डिवेलपमेंट का ढांचा बनाएं।

कड़े कदम जरूरी

मणिपुर हाईकोर्ट ने 27 मार्च को दिए अपने फैसले पर पुनर्विचार याचिका स्वीकार कर ली है और इस संबंध में केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। इस घटनाक्रम की अहमियत इस मायने में है कि हाईकोर्ट के 27 मार्च को दिए गए इस फैसले के बाद से ही राज्य में विभिन्न समुदायों के बीच तनाव का मौजूदा दौर शुरू हुआ जो देखते देखते भीषण हिंसा का गवाह बन गया। इस फैसले में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि वह मैतेई समुदाय को एसटी स्टेटस देने की सिफारिश करे।

ऐसे में इस फैसले पर पुनर्विचार याचिका का स्वीकृत होना स्वाभाविक ही सबका ध्यान खींच रहा है। मगर याद रखना चाहिए कि यह किसी सरकार का अपने किसी फैसले पर दोबारा विचार के लिए तैयार होने का मामला नहीं है। चूंकि हाईकोर्ट ही अपने फैसले की समीक्षा कर रहा है इसलिए उसकी कसौटी न्याय भावना और संविधान, कानून, परंपराएं तथा उनकी व्याख्या ही होगी। फिर भी, हाईकोर्ट ने 27 मार्च के फैसले पर दोबारा विचार की प्रक्रिया शुरू कर दी है, यह सूचना मौजूदा हालात में कम महत्वपूर्ण नहीं। एक तो इससे 27 मार्च के फैसले पर तत्काल अमल की अनिवार्यता टल गई है और दूसरे इससे यह संकेत भी मिला है कि न्यायपालिका के रवैये में खुलापन है, वह इस संबंध में किसी खास रुख को लेकर अड़ी हुई नहीं है।

मौजूदा हालात में जब राज्य के मैतेई और कुकी आदि समूहों में खूनी टकराव की स्थिति बनी हुई है, यह पॉजिटिव संकेत काफी उपयोगी हो सकता है। इसके जरिए विभिन्न तबकों के बीच बढ़ गई दूरी को कम करने की कोशिश की जा सकती है। लेकिन राज्य में फिलहाल सबसे बड़ा संकट ही यही है कि कोई ऐसी संस्था नहीं नजर आती जो समूची आबादी में विश्वास जगा सके। विभिन्न जाति समूहों से जुडे संगठनों की बात तो दूर रही, सुरक्षा बलों, कानून व्यवस्था की एजेंसियों और यहां तक कि सरकार की भूमिका को लेकर भी लोगों की राय बंटी हुई दिख रही है।

खुद मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनकी सरकार भी सवालों के घेरे में हैं। आलम यह है कि बीजेपी के विधायकों की ओर से भी इस सरकार पर न केवल पक्षपात के आरोप लगाए जा रहे हैं बल्कि इसे हटाने की भी जरूरत बताई जा रही है। हालांकि राज्य में अभी जिस तरह का तनाव भरा माहौल है उसमें कभी-कभी सरकार की निष्पक्ष कार्रवाई भी पक्षपातपूर्ण मान ली जाती है। लेकिन आज जब इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में पहली जरूरत शांति कायम करने की है तो सही हो या गलत आम धारणा को ज्यादा समय तक अनदेखा नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार को समझना चाहिए कि उसे सख्त फैसले लेने होंगे, इससे पहले कि उनकी भी सार्थकता समाप्त होने लगे।

ऐसा क्यों है कि उत्सव खत्म तो जिम्मेदारी भी खत्म ?

कुछ साल पहले एक मित्र की बेटी की शादी थी। बेटी खूब पढ़ी-लिखी थी। अच्छी नौकरी पर भी थी। जीवनसाथी का चुनाव भी उसने खुद ही किया। मुझे और परिवार को भी आमंत्रित किया गया था। बहुत बड़ा पार्क किराए पर लेकर शादी का इंतजाम किया गया था। मंच पर जिन फूलों से सज्जा की गई थी, वे विदेशी थे। चलते-चलते मित्र की पत्नी ने बताया, 'बिटिया इन्हीं फूलों की सजावट चाहती थी। और क्या बताएं इन बच्चों का! पहनेंगे एक दिन और लहंगा लेंगे दो लाख का!' यानी दुल्हन का लहंगा दो लाख का था। बारात खूब धूम-धड़ाके से आई। दरवाजे पर पहुंचने और जयमाल होने में एक घंटे से भी ज्यादा निकल गया, क्योंकि दूल्हे के मित्र और रिश्तेदार अपनी नृत्य कला के हर करतब दुल्हन के दरवाजे पर दिखा देना चाहते थे।

दूर से दूल्हे को देख रही थी। वह उबासियां ले रहा था। लग रहा था कि कहीं घोड़ी पर ही न सो जाए और गिर पड़े। खैर, जयमाल का कार्यक्रम खूब भव्य तरीके से हुआ। दूल्हा-दुल्हन दोनों ने नृत्य किया। एक-दूसरे के फोटो भी खींचे। खाने-पीने का कार्यक्रम तो इससे बहुत पहले ही शुरू हो चुका था। हर पल आपके सामने कोल्ड ड्रिंक, पनीर, पकौड़े, शरबत आदि लेकर केटरर के कर्मचारी हाजिर थे। आप मना भी कितनी बार करें? पार्क के चारों तरफ खाने-पीने के व्यंजनों से मेजें सजी हुई थीं। न जाने कितनी तरह के सलाद, अचार, दालें, पनीर, कढ़ी, चावल, कई तरह की रोटियां, राजमा, पूरी, कचौरी, डोसा, इडली, तरह-तरह की आइसक्रीम और मिठाइयां, चाट, छोले, कुलचे, भटूरे। एक तरफ कॉकटेल का इंतजाम भी था। जिनकी बेटी की शादी थी, वह और उनके परिवार के सदस्य सभी से आग्रह कर रहे थे कि खाना खाए बिना न जाएं और रिटर्न गिफ्ट जरूर ग्रहण करें।

स्नैक्स से ही पेट इतना भर गया था कि खाना खाने की इच्छा नहीं बची थी। लेकिन मित्र के नाराज होने का डर भी था। मजाक में उनसे कहा भी कि भाई साहब, इजाजत हो तो घर पैक करा ले जाऊं! उन्होंने उत्साह से कहा- जरूर ले जाइए, मगर पहले खा लीजिए। खैर, खाना खाने और वर-वधू को आशीष देने वालों की लंबी लाइन पार करते-करते साढ़े ग्यारह बज गए। घर लौटी तो ऐसा लगा कि कितनी थक गई हूं। सिवाय सोने के कुछ याद नहीं रहा। सुबह जब दूध लेने के लिए निकली तो पार्क की हालत देखकर परेशान हो उठी। हर जगह बस कूड़ा ही कूड़ा। कहीं खाने की प्लेट, कहीं थर्माकोल के गिलास, पानी की बोतलें, फैली हुई सब्जी। कहीं वे फूल जिनके बारे में बताया गया था कि लाखों के हैं।

ऐसे दृश्य अक्सर उन जगहों के होते हैं, जहां कोई उत्सव होता है, कोई खान-पान का आयोजन। अगर आयोजनकर्ता इस पर भी ध्यान दें कि लोगों के जाने के बाद जो कूड़ा और गंदगी फैले, उसकी सफाई की जिम्मेदारी भी उसी परिवार की होनी चाहिए जिनके यहां कोई शुभ कार्य हुआ। ऐसा क्यों है कि उत्सव खत्म तो जिम्मेदारी भी खत्म? वैसे तो हम रात-दिन गंदगी का रोना रोते हैं, और यूरोप की सफाई को हसरत भरी निगाहों से देखते हैं। पर अपने यहां कूड़ा फैलाने वाले उसे साफ कराने की जिम्मेदारी सरकार की समझते हैं। अरे भई, एक उत्सव में लाखों-करोड़ों खर्च कर दिए, लेकिन सफाई के लिए पांच सौ-हजार जेब से न निकलें, तो शुभ कैसे होगा, कितना होगा?

दैनिक पंचांग

24 जून 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.58 बजे से
चंद्र	सिंह में	सिंह	09.14 बजे से
मंगल	कर्क में	कन्या	11.26 बजे से
बुध	वृष में	तुला	13.37 बजे से
गुरु	मेष में	वृश्चिक	15.52 ब.से
शुक्र	कर्क में	धनु	18.08 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.13 बजे से
राहु	मेष में	कुंभ	21.59 बजे से
केतु	तुला में	मीन	23.32 बजे से
राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक		मेष	01.03 बजे से
		वृष	02.43 बजे से
		मिथुन	04.41 बजे से

शनिवार 2023 वर्ष का 175 वां दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि षष्ठी 22.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 07.18 बजे को समाप्त।
योग सिद्धि(असृक) अहोरात्र।
करण कौलव 09.07 बजे तदनन्तर तैतिल 22.18 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 05.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 25'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871654
जूलियन दिन 2460119.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1444
महीना जिल्हेज **तारीख** 05
विशेष स्कंद षष्ठी, रानी दुर्गावती बलिदान दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 24 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-4-5

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-2-3-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-3-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। शुभांक-3-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-1-3-4

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। पुराने मित्र मिलेगें। शुभांक-3-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेलजोल से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। शुभांक-3-6-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्यों में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगे। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-4-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): शनै:-शनै: स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-3-5

प्रसंगत: दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था। कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थिति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं माननी है। बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थी, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था। फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञ

बनाएं कुछ बेहतर

घर में ऐसी कई चीजें होती हैं, जिनका उपयोग हम एक समय के बाद नहीं, कर पाते या करना नहीं चाहते। यह केवल हमारी धारणा है। हम बेकार समझी जाने वाली वस्तुओं को इस्तेमाल में लाकर एक नई वस्तु बना सकते हैं।

कुछ भी खरीदने से पहले हम लोग काफी सोच-समझ कर उस पर पैसे खर्च करते हैं। यही नहीं, हर चीज का अपना अलग महत्व होता है। फिर चाहे वह

घर में सजाने की वस्तु हो या पहनने की, उसका दाम कम हो या ज्यादा, जरूरत के हिसाब से सभी चीजें आवश्यक होती हैं। अगर कोई वस्तु टूट जाती है तो उसकी जगह भी बदल जाती है और बच्चे उसका खिलौने के रूप में इस्तेमाल करने लगते हैं।

अब आप यह सोच रहे होंगे कि ये बातें मैं क्यों कर रही हूं, वे इसलिए ताकि आपकी वे अनमोल वस्तुएं टूटने के बाद भी आपके इस्तेमाल में दोबारा आ सकें। शायद आपको मेरी इन बातों पर आश्चर्य हो रहा होगा या आप सोच रहे होंगे कि बेकार चीजें तो बच्चों के काम आएंगी। सच मानिए आप भी घर बैठे-बैठे पुरानी चीजों की मदद से अनोखी चीजें बना सकते हैं।

चीजों को संजोएं

जिन चीजों को आप दोबारा उपयोग में लाकर कुछ नया रूप दे सकते हैं वे हैं बुक शैल्फ, फोटो फ्रेम, बैग इत्यादि। इन्हें सजाने के लिए आप चूड़ियों, बटन, काज और रिबन का उपयोग कर सकते हैं। बटनों के इस्तेमाल से आप स्टैम्प बनाएं और इसे मेजपोश पर सजाएं। यह खूबसूरत लगेगा। टूटी चूड़ियों का उपयोग आप पैन स्टैंड या अपनी किसी खास डायरी के कवर को सजाने में कर सकते हैं। रिबन का इस्तेमाल किसी भी जगह को सजाने के लिए आसानी से किया जा सकता है। किसी भी वस्तु के उपयोग में लाने से पहले उसे परखना बेहद जरूरी होता है। इसके लिए कुछ बातों पर हमें विशेष ध्यान देना चाहिए। इन चीजों के इस्तेमाल से पहले देख लें कि उसक नुकीलेपन या धार से किसी को नुक्सान न पहुंचे। प्लास्टिक को छोड़कर ताम्बा, लोहे, कांच की वस्तुओं को साबुन के गर्म पानी में डाल लें ताकि वे साफ दिखें।

घर में करें इस्तेमाल

घर में सजाने के लिए आप कई पुरानी चीजों का इस्तेमाल बखूबी कर सकते हैं। जैसे पुरानी प्लेट की फोटो फ्रेम और मेज के ड्रॉ को बुक शैल्फ बनाया जा सकता है। इसके अलावा आप अपने किसी खास को हाथ से बनी एलबम भेंट स्वरूप दे सकते हैं। इतना ही नहीं अगर आपके घर में पुराने कपड़े पड़े हैं तो उनकी मदद से बैठने के लिए आप एक आकर्षक कुर्सी भी बना सकते हैं। पुराने अखबारों के रील बनाकर आप उसका उपयोग कर सकते हैं। पत्रिकाएं रखने के लिए आप एक दिलकश बॉक्स बना सकते हैं। इसके लिए डिब्बे को तिरछा काट लें और उसे रंग-बिरंगे कागज से लपेट दें। आपको अपनी मनपसंद पत्रिकाएं रखने के लिए एक शानदार स्टैंड मिल सकता है।

कपड़ों में भी उपयोग

लोगों को पुराने कपड़ों से काफी लगाव हो जाता है। अगर वे मां, दादी या नानी ने दिए हों तो वे हमारे दिल से कुछ ज्यादा ही जुड़ जाते हैं। अगर हम अपनी अलमारी में झांकें तो हमें बहुत से ऐसे कपड़े मिलेंगे, जो छोटे हो चुके हैं या उनका रंग फीका पड़ गया है।

ऐसे में उदास होने की जरूरत नहीं है। हम इनका इस्तेमाल दोबारा और बेहतर ढंग से कर सकते हैं। अपने उन पुराने कपड़ों के बटन आप किसी नए सूट या परिधान में लगा सकते हैं। पुरानी साड़ियों के सूट बना सकते हैं। इस संदर्भ में फैशन डिजाइनर अनुपमा दयाल कहती हैं, पुराने कपड़ों का दोबारा उपयोग किया जा सकता है। इतना ही नहीं हम पुराने कपड़ों के लैस का इस्तेमाल नई चीज बनाने में कर सकते हैं। पुरानी चीजों का इस्तेमाल करके हम कई बेहतरीन चीजें घर बैठे भी आराम से बना सकते हैं, ये आपको और आपके अपनों को बेहद भाएंगी।

पक्षियों के लिए खास

सामग्री: जूस का खाली डिब्बा, पुराने गत्ते, डिब्बे को रंगने के लिए मनपसंद रंग चुनें, रंगने के लिए कूची, पक्षियों का दाना, क्लिप, तार।

विधि: जूस के डिब्बे को इस प्रकार से काटें कि उसमें गोल खिड़की का आकार बन जाए, अब उस पर मनपसंद रंग लगाएं, खिड़की पर चिड़िया की आकृति काट कर चिपका सकते हैं। तार की मदद से आप इस डिब्बे को बालकनी में टांग दें।

संतरा बर्फी विद लौकी

सामग्री 4 टेबलस्पून इंस्टेंट ऑरेंज ड्रिंक पाउडर, 3 कप लौकी (कद्दूकस), 3 टेबलस्पून और ग्रीसिंग के लिए शुद्ध घी, 3/4 कप चीनी, 1कप खोया (कद्दूकस किया), 5-6 बादाम (लंबाई में कटे), 5-6 पिस्ता (बारीक कटे)

विधि मध्यम आंच पर गहरे नॉन स्टिक पैन में घी गर्म करें और इसमें लौकी डालकर 4-5 मिनट चलाएं। फिर चीनी डालें और चीनी के घुलने तक पकाएं। अब इसमें ऑरेंज ड्रिंक पाउडर, खोया डालें और अच्छी तरह मिक्स करें। बादाम और पिस्ता का आधा हिस्सा इसमें डालें औ र तब तक पकाएं, जब तक कि मिशण्रपैन के किनारों को छो ड़ने न लगे। एल्युमीनियम ट्रे को घी से ग्रीस करें और इसमें मिशण्रको डालें। ऊपर से बचा हुआ बादाम और पिस्ता फैला दें और ठंडा होने के लिए अलग रख दें। ठंडा होने पर डायमंड शेप या स्क्वायर शेप में काट कर सर्व करें।

शान में चार-चांद लगाएं नाखून

आपको नाखूनों पर रंग लगाना पसंद है परन्तु आप यह नहीं जानती कि आप इन्हें रोज लगा सकती हैं या नहीं ? तो अपनाएं नेल आर्ट जो एक बढिया विकल्प है। कुछ साधारण और छोटे फूल नेल पालिश के गहरे शेड्स को हल्का दिखाते हैं। बहुत-सी महिलाएं काले और गहरे रंगों को पसंद करती हैं परन्तु इन्हें हर समय लगाने से डरती हैं। नेल आर्ट इल मुश्किल का हल करता है करता है। जो महिलाएं गहरे रंगों से बचना चाहती हैं वे भी इस ट्रेंड को आसानी से अपना सकती हैं।

अच्छी फिनिश के लिए यूं लगाएं नेल कलर

♣ अपने नाखूनों को अच्छे से शेप दें। यदि आपके नाखून अच्छी तरह से शेप्ड न हों तो नाखूनों पर पपड़ी बनने की संभीवना अधिक हो जाती है।

♣ यदि आप नेल पालिश लगा रही हैं तो इसे सीधे पंखे या ए.सी. के नीचे न सुखाएं। इससे नाखूनों पर लगी पॉलिश हवा के सम्पर्क में आने से एकदम सूख जाती है और कैमीकल अच्छे से सैट नहीं हो पाते।

♣ बेस कोट को सही ढंग से लगाना सबसे जरूरी होता है। यह नाखूनों से नेल पेंट को चिपकाए रखता है और पिगमैन्टेशन से बचाता है। बेस कोट लगाने के बाद एक मिनट के लिए इसे सूखने दें।

♣ नेल पालिश ब्रश को बोतल में डुबोएं और बाहर निकालते समय अधिक मात्रा में लगे कलर को नेल पॉलिश की बोतल के सिरे से लगाकर निकाल दें। पहला कोट पतला और स्मूद होना चाहिए।

♣ पहला कोट सूखने पर ही दूसरा कोट लगाएं। टॉप कोट से इसे फाइनल टच दें जो इसे पपड़ी से बचाता है और और आपकी नेल पॉलिश को काफी देर तक चलाता है।

♣ बेरंगेपन और रासायनिक प्रतिक्रियाओं से बचने के लिए अपने एक्रीलिक नाखूनों और कलर को एक ब्रीदर दें।

घर बैठें रखें नाखूनों का ख्याल

♣ हाथों व नाखूनों पर लगाने वाले तेल का रोज इस्तेमाल करें चाहे आपके नाखून एक्रीलिक हों या जैल से बने हों। अपने नाखूनों की देखभाल के लिए इस तेल को दिन में एक बार जरूर लगाएं। आप विटामिन-ई तेल का भी प्रयोग कर सकती हैं। अपने नाखूनों के निचले भाग को कभी न काटें और न ही किसी तेज धार वाली चीज से इसे साफ करें। इसे साफ करने के लिए एक कॉटन बड का इस्तेमाल करें। हमेशा एसेटोन फ्री रिमूवर का प्रयोग करें।

♣ महीने में एक बार से अधिक मैनीक्योर-पैडीक्योर न करवाएं। यदि आप एक से अधिक बार करवाएंगी तो आपके नाखून खुरदरे हो सकते हैं या फिर टूट सकते हैं। हाथों और पैरों पर लगाने वाली क्रीम रोज लगाएं।

कृत्रिम नाखूनों के लिए...

एक्रीलिक नाखून दिखने में बहुत ही सुदंर नजर आते हैं परन्तु इनकी संभाल भी जरूरी होती है। नाखूनों के निचले हिस्सों को रोजाना साफ करें ताकि इन्फैक्शन न हो। यदि आप एक्रिलिक नेल लगवाना चाहती हैं तो ध्यान रखें कि आपको इससे कोई एलर्जी न हो। इस तरह के नाखूनों में पॉलीमर पर आधारित पदार्थ पाए जाते हैं जो एलर्जी का कारण बन सकते हैं और साथ ही इन्हें ड्रायर, कर्लिंग, आयरन और आग आदि गर्म वस्तुओं से दूर रखना चाहिए।

एक्सपर्ट टिप्स

♣ ध्यान रखें कि नेल पॉलिश का कोट लगाने से पहले नाखून सूखे हुए हों और दूसरो कोट लगाने से पहले पहला कोट अच्छे से सूख गया हो।

♣ गहरे रंग की पर्पल नेल पॉलिश के साथ फन्की एक्सैसरीज कंट्रास्ट में पहनें। इसी तरह मिक्स और मैच करके आप रंगों को और उभार सकती हैं।

हेल्थ प्लस

धूप से करें बचाव

आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने साबित किया है कि अत्यधिक धूप का सेवन त्वचा के लिए हानिकारक होता है। सूरज की रोशनी में दो तरह की अल्ट्रावाइलेट तरंगें होती हैं इनमें से अल्ट्रावायलेट-ए नामक तरंग त्वचा पर झुर्रियाँ व साँवलेपन के लिए जिम्मेदार होती हैं।

सनबर्न

सनबर्न के सामान्य लक्षण हैं। त्वचा में लालिमा होना, जो 24 घंटों में बढ़ती है, इसके अतिरिक्त त्वचा में दर्द, सूजन व फफोले उत्पन्ना होते हैं। अगर ज्वर भ्रम आदि लक्षण प्रकट हों तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें। सनबर्न होने पर ठंडे पानी की पट्टियाँ आदि रखना चाहिए और त्वचा रोग विशेषज्ञ का परामर्श लेना चाहिए। कुछ लोगों को धूप से अति संवेदनशीलता होती है तथा धूप में थोड़ी देर रहने से उनके शरीर पर लाल चकत्ते या छाले

बन जाते हैं, जिसमें जलन, खुजली आदि होती हैं। एलर्जी कुछ दवाइयों के खाने के बाद होती है। इनमें गर्भनिरोधक गोलियाँ एंटीबायोटिक, रक्तचाप, जोड़ों का दर्द, अवसाद आदि की गोलियाँ खाकर धूप में जाने से तकलीफ हो सकती है।

बचाव

सूर्य की किरणें त्वचा पर घातक प्रभाव उत्पन्ना करती हैं। इसलिए इससे बचाव करना आवश्यक है। सूर्य का ताप सुबह 10 बजे से लेकर शाम 4 बजे तक अधिक होता है। इसलिए इस समय घर में रहें या छाँव में रहें। बहुत जरूरी होने पर ही बाहर निकलें। घर के बाहर निकलते समय पूरी बाँहों की कमीज गोल घेरे वाला हेट पहनें और आँखों पर काला चश्मा लगाएँ व चेहरे को स्कार्फ, रूमाल आदि से बाँधकर बाहर निकले।

सूरज की किरणें पानी, बर्फ या रेत से परिवर्तित होकर अधिक नुकसान पहुँचाती हैं। इसलिए ऐसे पर्यटन स्थलों पर जहाँ बर्फअथवा समुद्र का किनारा हो वहां जाने से पहले त्वचा की खास देखभाल कर लें। लोशन या सनक्रीम से त्वचा को धूप से बचाया जा सकता है। सूर्य की किरणें बादल होने पर भी जमीन की सतह पर पहुँच जाती हैं। अत: धूप न होने पर भी खुले में त्वचा पर सनस्क्रीन लगाकर ही निकलें।

सूर्य की किरणों से विटामिन डी प्राप्त होता है लेकिन इसके लिए सुबह और सूर्यास्त के जरा पहले का समय ठीक होता है। विटामिन-डी की कमी पूरक पोषण आहार लेकर भी की जा सकती है लेकिन सूर्य किरणों से क्षतिग्रस्त हो रही त्वचा को ठीक करने में काफी वक्त लग सकता है। अधिक समय तक धूप में रहने पर झुर्रियाँ आने लगती हैं। इससे व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक का दिखने लगता है तथा त्वचा पर छोटे- छोटे भूरे धब्बे बन जाते हैं, जिन्हें फ्रेकल्स कहते हैं। किसी-किसी की त्वचा स्थाई रूप से कठोर एवं काली हो जाती है।

त्वचा के लिए घरेलू पैक

❁ मुल्तानी मिट्टी को गुलाबजल डालकर घोल लें। इसे करीब 20 मिनिट गलाने के बाद त्वचा पर लगाएं। सूखने पर ठंडे पानी से धो दें। इससे ठंडक मिलती है-और त्वचा नर्म होती है।

❁ एक चम्मच मलाई-में कुछ बूँद नीबू का रस और एक चुटकी हल्दी मिलाकर हल्के से मालिश करें। सूखने पर धो लें। रंग साफहो जाएगा।

❁ धूप में त्वचा का रंग गहरा हो गया हो तो खट्टी छांछ-या दही प्रभावित हिस्से पर लगाएं। इससे धीरे-धीरे रंग सामान्य होने गलेगा।

❁ एक चम्मच मलाई-में कुछ बूँद नीबू का रस और एक चुटकी हल्दी मिलाकर हल्के से मालिश करें। सूखने पर धो लें।-रंग साफ हो जाएगा।

❁ पके हुए पपीते का गूदा मैश करके त्वचा पर मलें। सूखने पर पानी से धो लें।

औषधीय गुणों से भरपूर फलों का राजा आम

ग्रीष्म ऋतु में आम प्रमुख फल है जो बहुतायत में आता है। इस मौसम की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए आम में स्वास्थ्यवर्धक, पौष्टिक गुणों का भंडार है। आम के रासायकि घटकों में अनेक अमीनों एसीड्स, विटामिन ए, सी और ई, नियासिन और बिटाकेरोटिन, आयरन, कैल्शियम, मैग्निशिम, पोटेशियम, विभिन्ना एनझाइम, आदि प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं।

आम में पाए जाने वाले रासायनिक घटकों के कारण ही यह औषधीय गुणों में भी किसी अन्य फल से कमतर नहीं है। यहाँ पर आम के कुछ औषधीय गुण और उपयोग दिए जा रहे हैं

शारीरिक कमजोरी नाशक

सामान्य और गर्भवती महिलाओं में रक्त की कमी और कमजोरी आम में पाए जाने वाले आयरन और विटामिन सी से दूर की जा सकती है। यह लाल रक्त कणों में वृद्धि करता है। आम में मौजूद विटामिन-सी एक आदर्श एन्टीऑक्सिडेंट का काम करता है।

चर्म रोग नाशक

आम के रस के लेप में त्वचा के छिद्रखोलने की विलक्षण क्षमता होती है इससे चर्म रोग मांसपेशीय दर्द चमड़ी का रुखापन दूर होकर निखार आता है।

ग्रीष्म ऋतु की गर्मी से बचाव

कच्चे आम यानी कैरी उबालकर उसके रस में शकर जीरा (सिका हुआ) तीनों नमक का मिश्रण मिलकार लू लगने की समस्या के निवारण के लिए उपयोग करें। यह शरीर में आवश्यक नमक की कमी की पूर्ति का उत्तम माध्यम है।

पाचक क्रिया में सहायक

आम में प्रचुर मात्रा में एंझाइम होते हैं जो पाचन तंत्र को शक्ति प्रदान करता है। आम प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेट को पचाकर शरीर को आवश्यक तत्वों की कमी की पूर्ति करता है। आम के फलों में कब्जियत दूर करने का विशेष गुण होता है। इसका सेवन नमक और शहद के साथ किया जाना चाहिए।

स्मरण शक्ति वर्धक

आम में ग्लूटामिक एसिड नामक एमिनो एसिड पाया जाता है जो मस्तिष्क को सुदृढ़ कर एकाग्रता और स्मरण शक्ति में वृद्धि करता है। इससे आत्मविश्वास में भी वृद्धि होती है।

कामशक्ति वर्धक

आम के प्राकृतिक विटामिन-ई प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसके कारण शरीर में सेक्स हारमोंस का संचालन प्रचुर मात्रा में होता है।

रक्त शर्करा नियंत्रण

आम के पेड़ के पत्तों का काढ़ा मरीज के रक्त में इंसूलीन की मात्रा को नियंत्रित कर डायबिटिज के रोगियों को फायदा पहुँचाने में मदद करता है।

नेत्रदोष

आम में विटामिन-ए पाया जाता है, जो नेत्रदोष निवारक है। इसके उपयोग से आँखों संबंधी विकार दूर होते हैं जैसे रंतौंधी नेत्रदोष, आँखों की जलन, खुजली, आँखों में सूखापन, आँखों में पानी आना, आदि रोगों में उपयोगी है।

कैंसर निरोधक

आम में अनेक स्वास्थ्य उपयोगी फिनोल्स होते हैं, जैसे क्वारसेटीन, आइसोक्वारसेटिन, एस्ट्रोगेलिन, फिसेटिन, गैलिक एसिड, मिथाइल गैलेट विटामिन सी, घुलनशील पेक्टिन आदि जो आहार नली के कैंसर की संभावनाओं को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखता है और कैंसर सेल्स निर्माण की संभावना को कम करता है। कैंसर निरोधक प्रक्रिया में विटामिन-सी एक प्रभावी एंटिऑक्सिडेंट का काम करता है।

भार वृद्धि

आम में प्रचुर मात्रा में आवश्यक पोषक तत्व होने के कारण एवं रुचिकर स्वाद होने से इसके सेवन से शरीर को पर्याप्त पोषण तत्व प्राप्त होने हैं। जिसके कारण शरीर के भार में वृद्धि होना स्वाभाविक है। आम के 100 ग्राम गुदे में 75 कैलोरी होते हैं। आम रस में शर्करा प्रोटीन और थोड़ी मात्रा में वसा के होने के कारण शरीर को पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त होती है। सामान्य तौर से आम का आहार निरापद है।

सेहत बनाने के नायाब टिप्स

पेश हैं कुछ टिप्स जिनकी सहायता से आप अपनी तथा अपने परिवार की सेहत बना सकती हैं।

स्नैक अटैक को काबू करें

अक्सर लोगों को शाम तक भूख लग जाती है तथा वे फास्ट फूड खा कर अपनी भूख मिटाना पसंद करते है परंतु सात-साढे सात बजे तक डिनर परोस कर आप अपने परिवास की इस आदत को बदल सकती हैं।

सैर की आदत डालें

लम्बै समय तक बैठे रहने से फेफड़ों में रक्त के थक्के जमने की सम्भावना दोगुनी हो जाती है इसलिए परिवार के सभी सदस्यों को सुबह या शाम को सैर पर जाने के लिए प्रेरित करें।

निराशा दूर करने के लिए

मन को शांति तथा सकारात्मक विचारों पर केंद्रित करते हुए तीन तक गिनती गिनते हुए नाक से गहरी सांस लें और फिर पांच तक गिनने के साथ सांस छोड़ते हुए नकारात्मक विचारों को बाहर निकाल दें।

भारी भोजन के दुष्प्रभावों से बचने के लिए
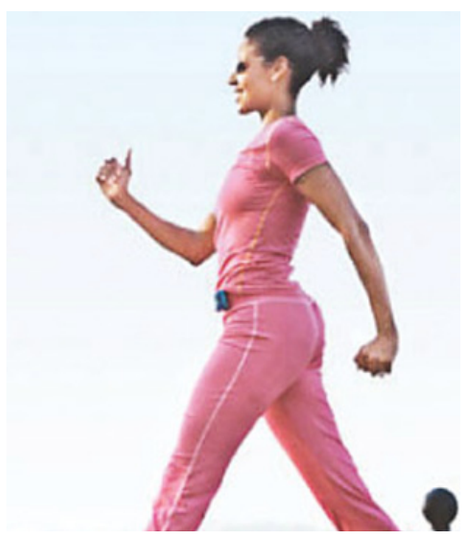
मिल्क थिसल (चुनिंदा हैल्थ फूड स्टोर्स में उपलब्ध एक प्रकार की बूटी) का प्रयोग किया जा सकता है। अपच की समस्या के उपचार की यह पारम्परिक औषधि है।